संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 129
पृष्ठ 8
रविवार
26 जनवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- ऑनलाइन खरीदने जा...

विचार- उच्च शिक्षा की....

खेल- दूसरे टी20 के लिए....

हैदराबाद हाउस में लिखी गई भारत-इंडोनेशिया की दोस्ती की नई इबारत, पीएम बोले-

हमारा सहयोग और मजबूत होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने दिल्ली के हैदराबाद हाउस में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो की मौजूदगी में दिल्ली के हैदराबाद हाउस में भारत और इंडोनेशिया के बीच MoUs का आदान-प्रदान हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इंडोनेशिया भारत के पहले गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि देश था और यह हमारे लिए बहुत गर्व की बात है कि जब हम गणतंत्र के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, तो इंडोनेशिया एक बार फिर इस ऐतिहासिक अवसर का हिस्सा बना है। मैं राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो का भारत में हार्दिक स्वागत करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि 2018 में इंडोनेशिया की मेरी यात्रा के दौरान हमने अपनी साझेदारी को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के रूप में आगे बढ़ाया। आज राष्ट्रपति प्रबोवो के साथ आपसी सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक चर्चा हुई। रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए रक्षा क्षेत्र में विनिर्माण और आपूर्ति में साथ काम किया जाएगा। हमने समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, आतंकवाद निरोध और डी-रेडिकलाइजेशन में सहयोग पर भी दल दिया है। समुद्री सुरक्षा और संरक्षा में हुए समझौते से अपराध की रोकथाम, खोज और बचाव तथा क्षमता निर्माण में हमारा सहयोग और मजबूत होगा। पिछले कुछ वर्षों में हमारा द्विपक्षीय व्यापार तेजी आई है और पिछले वर्ष यह 30 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने कहा कि मैं भारत की अपनी पहली राजकीय यात्रा में मुझे दिए गए सम्मान के लिए अपनी सर्वोच्च कृतज्ञता दोहराना चाहता हूं।

आज राष्ट्रपति ने मेरा बहुत सम्मान के साथ स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार तथा मेरे और मेरी सरकार के बीच बहुत गहन और बेहद स्पष्ट चर्चा हुई। हमने साझा हित के कई प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा की। हम आर्थिक क्षेत्र में सहयोग के स्तर को बढ़ाना चाहते हैं। मैंने अपनी टीम को विनियमन को तेज करने, नौकरशाही को कम करने और भारत-इंडोनेशिया के साझा द्विपक्षीय हितों को सबसे आगे रखने के निर्देश दिए हैं। इंडोनेशियाई राष्ट्रपति तीन दिवसीय यात्रा पर बृहस्पतिवार रात यहां पहुंचे। प्रबोवो सुबियांतो का गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भारत आए हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत-इंडोनेशिया संबंधों में मजबूती आई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2018 में इंडोनेशिया की यात्रा की थी, जिस दौरान भारत-इंडोनेशिया संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया।

सूचना

गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर प्रेस व कार्यालय में अवकाश रहेगा अतः अगला अंक २८ जनवरी को प्रकाशित होगा।

-व्यवस्थापक

कन्हैयालाल स्मृति साहित्य सम्मान 2025 (रजि.)

हिंदी साहित्य के क्षेत्र में काव्य संग्रह, कहानी संग्रह, उपन्यास, संस्मरण, नाटक आदि विधाओं पर यह सम्मान प्रदान किया जाता है। इस सम्मान प्राप्त करने के इच्छुक साहित्यकार अपनी कृतियों को **5** प्रतियों में निम्न पते पर **1** फरवरी **2025** तक भेजें। भेजें। **2022, 2023, 2024** तक प्रकाशित रचनाओं को सम्मिलित किया जाएगा। रचनाएं पूर्णतया मौलिक होनी चाहिए।

प्रवीष्टियाँ भेजने की अंतिम तारीख 1 फरवरी 2025 है।

पता-'शहर समता' (दैनिक, साप्ताहिक) राष्ट्रीय समाचार पत्र कार्यालय289/238ए,अनंत भवन, कर्नलगंज थाने के पीछे प्रयागराज 211002

भारत सरकार

हमारे **संविधान** के लागू होने के **75** वर्ष पूरे होने और

76वें गणतंत्र दिवस की

सभी देशवासियों को

हार्दिक शुभकामनाएं

"देश के अपने समस्त परिवारजनों को गणतंत्र दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। भारत के लोकतंत्र को मजबूती देने में हमारे देश के संविधान की बहुत बड़ी भूमिका रही है। बाधाएं, रुकावटें, चुनौतियों को परास्त करके एक दृढ़ संकल्प के साथ यह देश चलने के लिए प्रतिबद्ध है।"

जय हिंद!

- नरेन्द्र मोदी

कर्तव्य पथ से गणतंत्र दिवस समारोह के विशेष कार्यक्रम का सीधा प्रसारण **सुबह 9:00 बजे से दूरदर्शन नेटवर्क पर**

CBC 17102/13/0026/2425

छत्र चंवर के साथ पहली बार नजर आई ममता कुलकर्णी, किन्नर अखाड़े ने बनाया है महामंडलेश्वर

प्रयागराज। किन्नर अखाड़े में संन्यास की दीक्षा लेने के बाद महामंडलेश्वर बनाई गईं प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी का नया अंदाज सामने आया है। वह छत्र और चंवर के साथ नजर आईं। शुक्रवार को संगम के तट पर पिंडदान करने के बाद किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी की मौजूदगी में उनका पट्टाभिषेक किया गया। गेरुवा वस्त्र और रुद्राक्ष का माला ममता ने धारण किया है। जानी मानी फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने कुंभनगरी में आकर संन्यास दीक्षा ली। दीक्षा के बाद उनका नाम बदलकर अब श्रीयामाई ममतानंद गिरि हो गया। संगम तट पर उनकी संन्यास दीक्षा हुई। शाम को किन्नर अखाड़ा आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी की अगुवाई में उनका पट्टाभिषेक हुआ। हर–हर महादेव के जयकारों के साथ उनको अखाड़े में धर्मध्वजा के नीचे पट्टाभिषेक कराया गया। फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी बृहस्पतिवार को ही महाकुंभ नगरी पहुंच गई थीं। शुक्रवार सुबह सेक्टर–16 संगम लोवर मार्ग स्थित किन्नर अखाड़ा शिविर पहुंची। इसके बाद उनकी संन्यास दीक्षा क्रियाएं आरंभ हुईं। आचार्य पुरोहित की मौजूदगी में करीब दो घंटे तक संन्यास दीक्षा हुई। श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर गर्गाचार्य मुचकुंद, पीठाधीश्वर स्वामी महेंद्रानंद गिरि समेत अन्य संतों की मौजूदगी में धार्मिक क्रियाएं हुईं। इसके बाद शाम को संगम तट पर पिंडदान हुआ। सलमान खान और शाहरुख खान की फिल्म 'करण अर्जुन (1995)' में ममता कुलकर्णी ने बिंदिया का किरदार निभाया था। इस फिल्म में ममता के हिस्से डांस सॉन्ग आए, जिसमें वह दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रही हैं। इसी फिल्म में उन पर एक गाना 'गुप चुप गुप चुप' फिल्माया गया था, जो काफी हिट साबित हुआ। नाना पाटेकर की फिल्म 'तिरंगा (1992)' में भी ममता कुलकर्णी का रोल बहुत छोटा था लेकिन उन पर दर्शकों का ध्यान जरूर गया। उन्होंने फिल्म में हरीश क मंगेतर का रोल किया था। सैफ अली खान के अपोजिट फिल्म 'आशिक आवारा' में ममता नजर आईं। यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म थी। फिल्म में ममता के किरदार का नाम ज्योति था। अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी स्टारर फिल्म 'वक्त हमारा है (1993)' में ममता कुलकर्णी अक्षय कुमार के किरदार की गर्लफ्रेंड के रोल में नजर आईं। यह एक रोमांटिक, एक्शन–कॉमेडी फिल्म थी। फिल्म में वह अक्षय के साथ रोमांस और गानों में डांस करती हुईं ज्यादा दिखीं। ममता कुलकर्णी फिल्म 'क्रांति वीर (1994)' का भी हिस्सा थी, इसमें वह अतुल अग्निहोत्री की गर्लफ्रेंड के रोल में दिखीं। फिल्म में नाना पाटेकर और डिंपल कपाड़िया मुख्य भूमिकाओं में थे। वहीं फिल्म 'बाजी (1995)' में भी ममता कुलकर्णी आमिर खान के साथ नजर आईं। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म थी। फिल्म 'सबसे बड़ा खिलाड़ी (1995)' में ममता कुलकर्णी अक्षय कुमार के साथ दिखीं। इस फिल्म वह अक्षय कुमार के किरदार का लव इंट्रेस्ट बनी थीं। सनी देओल की घातक में ममता कुलकर्णी ने स्पेशल डांस नंबर किया था, जिसके बोल थे–'कोई आए तो ले जाए'। फिल्म के साथ–साथ यह गाना भी हिट हुआ। साल 1998 में रिलीज हुई फिल्म 'चाइना गेट' में ममता कुलकर्णी ने संध्या नाम की लड़की का रोल किया था। इस फिल्म में ओम पुरी, अमरीश पुरी, नसीरुद्दीन शाह जैसे उम्दा कलाकार नजर आए थे। संजय कपूर स्टारर फिल्म 'छुपा रुस्तम (2001)' में भी ममता ने अभिनय किया। यह एक रोमांटिक, थ्रिलर फिल्म थी।

महाकुंभ में झारखंड से लाकर जाली नोट खपाने की कोशिश

प्रयागराज। मेले में झारखंड के तीन युवकों ने नकली नोट खपाने की कोशिश की। इनमें से एक तो पकड़ लिया गया, लेकिन उसके दो साथी भाग निकले। पकड़े गए युवक के कब्जे से दो जाली आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज बरामद हुए हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। घटना सेक्टर–6 में नागवासुकि मंदिर के पास हुई। हाथरस के मुरसान कोतवाली के नई बस्ती निवासी गोपाल शर्मा नागवासुकी मंदिर के पास सेक्टर–6 में प्रसाद की दुकान चलाते हैं। उनके दो कर्मचारी धोनी व राहुल बैठते हैं। उन्होंने बताया कि दोपहर 12 से 1रू00 के बीच दुकान पर तीन युवक आए। इनमें से एक ने धोनी, जबकि दूसरे ने राहुल को 500 का नोट थमाया और 50 रुपये का सामान लेकर 450 वापस ले लिए। इसी दौरान तीसरे ने 500 का एक नोट उन्हें थमाया और 50 का सामान मांगा। नोट देखकर उन्हें इसके जाली होने का शक हुआ। इस पर जैसे ही उन्होंने उसे युवक से पूछताछ शुरू की तो तीनों भागने लगे। इस दौरान कर्मचारियों की सहयोग से एक युवक को पकड़ लिया गया। उसने अपना नाम अकबर सेठ निवासी अमानत (पलास गाछी) थाना लदा लगोर जिला साहेबगंज (झारखंड) बताया। यह भी बताया कि मौके से भाग निकलने वाले उसके साथियों में हलीम निवासी प्यारेपुर थाना लदा लगोर (साहेबगंज) झारखंड व दूसरे का नाम जितिन मंडल निवासी कठुल वाड़ी जि. साहेबगंज (झारखंड) है। पकड़े गए युवक की जेब से दो फर्जी आधार कार्ड बरामद हुए। एक पर फोटो तो उसी का था, लेकिन नाम भजन मंडल लिखा हुआ था। दूसरे जाली आधार कार्ड पर देव कुमार मंडल लिखा हुआ था। तीनों ने जो 500 के नोट थमाए, उनमें से दो नोटों का नंबर एक ही था। पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर तहरीर दी। इसके बाद तीनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई। कोतवाली प्रभारी डीके शर्मा ने बताया कि एक आरोपी अकबर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। उसके दो अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

बोरे में मिला दो दिन से लापता महिला का शव

प्रयागराज। कोरांव थाना क्षेत्र के रत्योरा गांव में दो दिन से लापता विवाहिता सुमन सिंह (45) का शव शुक्रवार शाम घर से 500 मीटर दूर ट्यूबवेल के कमरे में बोरे में मिला। मायके वालों की शिकायत पर पुलिस दो दिनों से उसे तलाश रही थी। पुलिस सुमन की सास को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है, जबकि पति फरार है। लापता थी। मायके वालों ने कई बार फोन लगाया पर उससे संपर्क न होने पर उन्हें शक हुआ। शंका के आधार पर बृहस्पतिवार को उन्होंने इसकी सूचना कोरांव पुलिस को दी।

शुक्रवार सुबह पुलिस ने डॉग स्क्वाड तथा गांव में जांच शुरू कर दी। इस दौरान घर से 500 मीटर दूर ट्यूबवेल के कमरे का ताला तोड़कर छानबीन की गई तो बोरी में सुमन सिंह का शव था। मौके पर मौजूद मायकेवालों ने बताया कि साड़ी से बांधने के बाद कई जगह वार कर सुमन की हत्या की गई और शव को प्लास्टिक की बोरी में भरकर कमरे में बंद कर दिया। कन्हौली लालगंज, मिर्जापुर निवासी मृतका के भाई भोले ने तहरीर देते हुए सास नीलू व पति दिलीप सिंह पर हत्या करने का आरोप लगाया है। मायके वालों ने बताया कि 25 वर्ष पहले शादी की थी। सुमन का बेटा आर्या सिंह कर्नाटक में प्राइवेट नौकरी करता है। वहीं, एसीपी मेजा रवि कुमार गुप्ता ने बताया कि मायके वालों ने पति व सास पर हत्या का आरोप लगाया है। सास पुलिस की हिरासत में है। पति की तलाश में तीन टीमें लगाई है। जल्द ही हत्या के कारणों को खुलासा कर दिया जाएगा।

27 से 29 तक स्नानार्थी जिस सेक्टर से मेले में आएंगे, उसी से करेंगे वापसी

प्रयागराज। मौनी अमावस्या पर 10 करोड़ लोगों के स्नान करने की उम्मीद है। ऐसे में भीड़ को देखते हुए मेला क्षेत्र में 27 से 29 जनवरी तक स्नानार्थी जिस सेक्टर से आएंगे, उसी से उनकी वापसी कराई जाएगी। साथ ही संगम के बजाय नजदीकी घाट पर स्नान कराने की भी योजना बनाई गई है। वहीं, संगम व आसपास के क्षेत्रों में विशेष टीम तैनात रहेगी, जो श्रद्धालुओं को स्नान के बाद तत्काल हटाने का काम करेगी। इसके अलावा श्रद्धालुओं को सेक्टर स्तर पर ही रोकने की योजना बनाई गई है। मेला प्रशासन की ओर से गंगा के दोनों तरफ 12 किमी में लगातार घाट बनाए गए हैं। योजना बनाई गई है कि लोगों को नजदीक के घाट के पर ही स्नान कराया जाए। ताकि, संगम नोज पर अधिक दबाव न पड़ने पाए। इसे सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी एडीएम व एसडीएम स्तर के अफसरों को दी गई है। भीड़ प्रबंधन के लिए जगह–जगह बैरिकेडिंग की जा रही है। इसके अलावा अलग–अलग टीमें रस्से, लाउडर, सीटी आदि संग तैनात रहेंगी। वाच टावर के साथ केंद्रीय बलों की भी तैनाती की जाएगी। भीड़ नियंत्रण के लिए संस्थानों को होल्डिंग एरिया के रूप में उपयोग करने की भी योजना बनाई गई है।

डिप्टी सीएम केशव बोले- ज्योतिष में समुद्र की तरह गहराई, कुंभ-महाकुंभ इसी शास्त्र पर आधारित

प्रयागराज। ज्योतिष शास्त्र में रुचि रखने वालों के लिए इंतजार की घड़ी खत्म हो गई है। प्रयागराज में श्अमर उजाला ज्योतिष महाकुंभ महोत्सवश हो रहा है। अमर उजाला और उससे जुड़े उपक्रम जीवांजलि और माय ज्योतिष की ओर से हो रहे इस महोत्सव में ज्योतिष शास्त्र के विशेषज्ञ जुटे हैं। अलग–अलग विषयों पर विचार विमर्श होगा। महोत्सव में ज्योतिष शास्त्र व गूढ़ रहस्यों के साथ–साथ वैदिक ज्योतिष, मंत्रों का महत्व, टैरो कार्ड और आधुनिकता में छिपे ज्योतिष के प्राचीन रहस्य जैसे विषयों पर चर्चा होगी। कार्यक्रम का शुभारंभ मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने दीप प्रज्वलन कर किया। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य कार्यक्रम का सपामन करेंगे। इस दौरान मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने अपने भाषण में कहा कि अमर उजाला को इस आयोजन के लिए शुभकामनाएं। भारतीय ज्ञान परंपरा और संस्कृति दुनिया में सबसे प्राचीनतम है। हमारे शास्त्रों ने हमें वास्तु शास्त्र और आयुर्वेद जैसे अनेक बहुमूल्य उपहार दिए हैं। ज्योतिष शास्त्र इनमें सबसे महत्वपूर्ण है। सनातन धर्म में मुहूर्त का बड़ा ही महत्व है। हमारे यहां कहा गया है– माघ मकर गत रवि जब होई, तीरथ पतिहिं आव सब कोई। ...ग्रहों की स्थिति व्यक्ति और उसके जीवन पर गहरा प्रभाव डालती है। यह प्रामाणिक बात है। इसलिए ज्योतिष को ज्योतिष विज्ञान भी कहा जाता है। ज्योतिष ने ही हमें बताया है कि इस बार महाकुंभ पर जो योग बना है, वह 144 साल बाद आया है। 2019 में जब कुंभ हुआ था, तो 24 करोड़ लोग यहां आए थे। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस बार यहां महाकुंभ हो रहा है। हाल ही में मेरी मोरारी बापू जी से यह चर्चा हुई कि लोग महाकुंभ में डुबकी लगाने आते हैं, लेकिन इतने संत भी यहां आते हैं, लोगों को उनके चरणों की धूल भी साथ लेकर जानी चाहिए। मोरारी बापू जी ने कहा कि गौतम नारि श्राप बस उपल देह धरि धीर। चरन कमल रज चाहति कृपा करहु रघुबीर। ... यानी महापुरुषों के चरणों की धूल लेकर जाना चाहिए। अब तक 11 करोड़ लोग महाकुंभ में आकर स्नान कर चुके हैं। ज्योतिष शास्त्र के बारे में मंत्री नंदी ने कहा कि कुछ लोग अपने–अपने तर्क देते हैं, लेकिन मेरा निजी अनुभव अच्छा रहा है। मेरे सामने कई संकट आए, लेकिन एक ज्योतिषी ने मेरे बारे में जो भविष्यवाणी की थी, वो सही साबित हुई। ज्योतिष की सबसे सुंदर बात है कि अगर कोई दोष है या ग्रहों की दिशा विपरीत है तो उसका समाधान भी मौजूद है। जैसे डॉक्टर दवा देता है, वैसे ही ज्योतिषाचार्य भी ग्रहों की दशा के हिसाब से निदान बताते हैं। जब रामलला के लिए भव्य–दिव्य मंदिर बना, तब काल गणना के अनुसार मुहूर्त निकालकर ही मूर्ति की प्राण–प्रतिष्ठा हुई।

16 और 17 अप्रैल को होगी असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा, यूपीएसएससी ने टीजीटी–पीजीटी में किया बदलाव

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा अब 16 व 17 अप्रैल को आयोजित की जाएगी। महाकुंभ को ध्यान में रखते हुए आयोग ने प्रशिक्षित स्नातक (टीजीटी) व प्रवक्ता (पीजीटी) भर्ती परीक्षा की तिथियों में भी बदलाव किया है। असिस्टेंट प्रोफेसर के 1017 पदों के लिए 2022 में आवेदन मांगे गए थे। अलग–अलग विषयों के लिए कुल 1.14 लाख आवेदन आए। 2022 में ही टीजीटी व पीजीटी के भी 4163 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई थी, जिसके लिए 13 लाख से ज्यादा अभ्यर्थियों ने आवेदन किए। इन पदों के लिए आवेदन लिए जाने के बाद उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग और माध्यमिक शिक्षा चयन बोर्ड को भंग करके शिक्षा सेवा चयन आयोग का गठन किया गया। नवगठित आयोग की ओर से असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए 16 और 17 फरवरी को परीक्षा कराने का निर्णय लिया गया था। इसी क्रम में टीजीटी की परीक्षा चार एवं पांच अप्रैल व पीजीटी की परीक्षा 11 व 12 अप्रैल होनी थी। लेकिन, महाकुंभ की भीड़ को देखते हुए आयोग की शुक्रवार को बैठक हुई। इसमें परीक्षा की तिथि में संशोधन का निर्णय लिया गया। ताकि, अभ्यर्थियों को परेशानी न उठानी पड़ी। संशोधित कार्यक्रम के तहत असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा 16 व 17 अप्रैल को होगी। वहीं, टीजीटी 14 और 15 मई व पीजीटी भर्ती परीक्षा 20 व 21 जून को होगी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से चिकित्सा शिक्षा होम्योपैथिक में प्रोफेसर व प्रवक्ता के विभिन्न पदों के लिए आयोजित साक्षात्कार में शामिल अभ्यर्थियों प्राप्तांक व कटऑफ जारी कर दिए गए हैं। जो 30 जनवरी तक आयोग की वेबसाइट पर देखे जा सकते हैं। प्रयागराज। महिला सेवा सदन डिग्री कॉलेज में उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस के मौके पर शुक्रवार को शुरू तीन दिनी कार्यक्रम में छात्राओं को सूबे के गौरवशाली इतिहास के बारे में बताया गया। इतिहास विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर आराधना कुमारी ने प्रदेश के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। छात्राओं ने रैली भी निकाली और प्रदेश के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रोफेसर अमिता शुक्ला, प्रोफेसर इच्छा नायर आदि मौजूद रहीं।

महाकुंभ में सामने आएगा 12 महीने 12 दिन में बना हिंदू राष्ट्र का संविधान, वसुधैव कुटुंबकम है मूल

प्रयागराज। अखंड हिंदू राष्ट्र का पहला संविधान बनकर तैयार हो चुका है। महाकुंभ में वसंत पंचमी तीन फरवरी को शुभ मुहूर्त में इसे देश की जनता के सामने रखा जाएगा। 12 महीने 12 दिन में हिंदू राष्ट्र के संविधान को उत्तर और दक्षिण भारत के 25 विद्वानों ने तैयार किया है। चारों पीठ के शंकराचार्य की सहमति के बाद इसको केंद्र सरकार को भी भेजा जाएगा। 501 पन्नों के संविधान को रामराज्य, श्रीकृष्ण के राज्य, मनु स्मृति और चाणक्य के अर्थशास्त्र को आधार बनाकर तैयार किया गया है। मति ने धर्मशास्त्रों के साथ ही रामराज्य, श्रीकृष्ण के राज्य, मनुस्मृति और चाणक्य के अर्थशास्त्र का अध्ययन करने के बाद हिंदू राष्ट्र के संविधान को तैयार किया है। संविधान समिति में काशी हिंदू विश्वविद्यालय, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के विद्वान भी शामिल हैं। संविधान समिति के संरक्षक शांभवी पीठाधीश्वर स्वामी आनंद स्वरूप महाराज ने बताया कि 2035 तक हिंदू राष्ट्र की घोषणा का लक्ष्य रखा गया है। हिंदू राष्ट्र के पहले संविधान के आधार पर देश गणराज्य होगा। हम वसुधैव कुटुंबकम् और सर्वेभवंतु सुखिनरू को मानने वाले हैं। इन दोनों मूल्यों को संविधान के मूल में रखा गया है। चुनाव के आधार पर ही राष्ट्र के प्रमुख का चयन किया जाएगा। यह संविधान देश में रहने वाले दूसरे धर्म के अनुयायियों के खिलाफ नहीं है। यहां पर सभी को रहने का अधिकार रहेगा, लेकिन राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के खिलाफ कार्य करने वालों को सख्त दंड का विधान भी बनाया गया है। संविधान निर्माण समिति के अध्यक्ष डॉ. कामेश्वर उपाध्याय ने बताया कि हिंदू राष्ट्र में हर नागरिक के लिए सैनिक शिक्षा अनिवार्य होगी। हिंदू राष्ट्र में वर्तमान कर प्रणाली नहीं रहेगी और कृषि को पूर्णतरू कर मुक्त कर दिया जाएगा। कर चोरी पर कठोर दंड का विधान होगा। शांभवी पीठाधीश्वर आनंद स्वरूप ने कहा कि भारत के संविधान में अब तक तीन सौ बार संशोधन हो चुका है लेकिन हमारे धर्मशास्त्रों में अब तक कोई संशोधन नहीं हुए हैं। हम लोग हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए दुनिया भर के राष्ट्रों से भी अपील करेंगे कि वह इसमें सहयोग करें। दुनिया में ईसाइयों के 127, मुस्लिमों के 57, बौद्धों के 15 देश हैं। यहां तक कि यहूदियों का भी एक देश इजरायल है। दुनिया में करीब पौने दो अरब हिंदुओं की आबादी है परंतु उसका एक भी देश नहीं है। संविधान के अनुसार एकसदनात्मक व्यवस्थापिका होगी और सदन का नाम संसद नहीं हिंदू धर्म संसद होगा। हर संसदीय क्षेत्र में एक धर्म सांसद निर्वाचित होगा। पूरे देश में 543 धर्म सांसद निर्वाचित होंगे। धर्मसांसद के लिए न्यूनतम आयु सीमा 25 और मतदान करने के लिए न्यूनतम आयु सीमा 16 वर्ष निर्धारित की गई है। चुनाव लड़ने और लड़ाने का अधिकार केवल सनातन धर्म के अनुयायियों अैर भारतीय उपमहाद्वीप के पंथ जैन, बौद्ध व सिख मत के अनुयायियों का होगा। विधर्मियों को मताधिकार से वंचित किया जाएगा। धर्मसंसद के सदस्यों को निर्वाचन क्षेत्र भत्ता, सामान्य वाहन और साधारण सुरक्षा के अलावा अन्य कुछ भी नहीं दिया जाएगा। धर्मसांसद बनने के लिए उम्मीदवार को वैदिक गुरुकुल का छात्र होना अनिवार्य होगा। अयोग्य और आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति निर्वाचन में भाग नहीं लेंगे। धर्म संसद के सदस्य दो तिहाई बहुमत से राष्ट्राध्यक्ष का चयन करेंगे। धर्म सांसदों को दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक और मासिक प्रगति आख्या सार्वजनिक करनी होगी। क्षेत्र की जनता अपने प्रतिनिधि से असंतुष्ट हो जाए तो उसे न्यूनतम 50 हजार लोगों के हस्ताक्षर युक्त अविश्वास प्रस्ताव धर्म संसद को भेजना होगा। धर्मसंसद जनमत संग्रह कराएगी और जनता को अपना प्रतिनिधि वापस बुलाने का पूर्णतरू अधिकार होगा। राष्ट्र अध्यक्ष का चयन गुरुकुलों से होगा।

मोरारी बापू बोले- मानस गंगा में गोता लगाने से जीवन का होता है उद्धार, सिद्धि का होता है लाभ

प्रयागराज। परमार्थ निकेतन में मानस कथा में मोरारी बापू ने कहा कि मानस, वेद, गीता–ग्रंथ सब यहीं पर रहेंगे। लेकिन, साधु चले जाएंगे। इसलिए उनके साथ बैठना ही महाकुंभ का

वास्तविक प्रसाद है। उन्होंने कहा कि पद, प्रतिष्ठा और प्रसिद्धि पूज्य संतों के आशीर्वाद से ही प्राप्त होती है। गंगा जी में जितनी बार गोता लगाओ, उतना ही फायदा है। मानस गंगा में गोता लगाने से तो जीवन का उद्धार हो जाता है। उन्होंने कहा कि सिद्धि का लाभ होता है। लेकिन, शुभ तो विश्व कल्याण करता है। राष्ट्रीय बालिका दिवस पर बापू ने अहिल्या जी की दिव्य कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि रामायण विचारक और सुधारक दोनों को जन्म देती है। स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि कन्या है तो कल है और गंगा है तो जल है। ये दोनों हमारे भारत के भविष्य और समग्र विश्व की पवित्रता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यदि हम कन्याओं को बचाने की दिशा में कदम नहीं उठाएंगे तो आने वाली पीढ़ियों को किस तरह से बचाएंगे। स्वामी ने कहा कि अब हमें प्रतिस्पर्धा की नहीं, श्रद्धा की आवश्यकता है। क्योंकि, केवल प्रतिस्पर्धा बिखराव पैदा करती है और श्रद्धा सहयोग को जन्म देती है। स्वामी चिदानंद सरस्वती और मोरारी बापू ने केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को रुद्राक्ष का पौधा भेंट कर स्वागत किया। इस मौके पर स्वामी संतोष दास (सतुआ बाबा), साध्वी भगवती सरस्वती रहीं।

14 फरवरी के बाद बनेंगे चार विश्व रिकॉर्ड, पर्यावरण सरंक्षण एवं स्वच्छता का दिया जाएगा संदेश

प्रयागराज। महाकुंभ में चार विश्व रिकॉर्ड के माध्यम से पूरे विश्व को पर्यावरण सरंक्षण एवं स्वच्छता का संदेश देने की तैयारी शुरू कर दी गई है। विश्व रिकॉर्ड बनाने का क्रम माघी पूर्णिमा स्नान के बाद 14 फरवरी से शुरू होगा। कुंभ– 2019 में तीन विश्व रिकॉर्ड बनाए गए थे। वहीं, महाकुंभ–2025 में चार विश्व रिकॉर्ड बनाए जाएंगे। चूंकि, माघी पूर्णिमा स्नान पर्व 12 फरवरी तक स्नानार्थियों की भीड़ रहने की उम्मीद है। इसके अलावा 10 फरवरी तक वीआईपी मूवमेंट रहेगा। इस दौरान राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री समेत कई अन्य प्रमुख लोग आएंगे। इसलिए माघी पूर्णिमा के बाद विश्व रिकॉर्ड बनाने की प्रक्रिया पूरी करने की योजना बनाई गई है। मेलाधिकारी विजय किरन आनंद का कहना है कि 14 फरवरी से रिकॉर्ड बनाने की योजना है। जल्द ही रिकॉर्ड दर्ज कराने की तारीखें तय कर ली जाएंगी। इसके लिए गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में आवेदन करने समेत अन्य प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

कुंभ में 2500 ड्रोन ने कुंभ कलश से छलकाई अमृत बूंदें, संगम पर दिखा अद्भुत नजाराय नीला हुआ आसमान

प्रयागराज। महाकुंभ में शुक्रवार को 2500 ड्रोन के माध्यम से संस्कृति, अध्यात्म और तकनीकी संगम का अद्भुत नजारा दिखाई दिया। शो का शुभारंभ शंख ध्वनि के साथ हुआ। महाकुंभ की गाथा को अनोखे रूप में प्रस्तुत किया गया। श्रद्धालुओं ने समुद्र मंथन के महाकाव्य को आकाश में जीवंत होते देखा। मेला क्षेत्र के सेक्टर सात में यूपी दिवस के मौके पर शाम सात बजे प्रदेश के सबसे बड़ा ड्रोन शो का शुभारंभ हुआ। 2500 ड्रोनों से आकाश रंग–बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा। आकाश में कुंभ की महत्ता, संगम स्नान का महत्व देख श्रद्धालु पर्यटक आश्चर्यचकित रह गए। कुंभ कलश जिसकी दिव्य बूंदें गिरने से महाकुंभ की शुरुआत हुई थी, का भी चित्रण किया गया। गंगा स्नान से दिव्य शक्ति का संचार भी दिखाया गया। रंग बिरंगे धार्मिक प्रतीकों की अद्भुत छटा ने मेला क्षेत्र में मौजूद श्रद्धालुओं को मुग्ध कर दिया। पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित इस शो में मेक–इन–इंडिया ड्रोन ने परंपरा और तकनीकी का अनूठा संगम प्रस्तुत किया गया। ड्रोन शो के लिए अलग–अलग थीम का चयन किया गया था। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह ने बताया कि शो में रोशनी और संगीत के समन्वय का यह नजारा पर्यटकों–श्रद्धालुओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। उन्होंने बताया कि 25 जनवरी को राष्ट्रीय पर्यटन दिवस और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर भी शो होंगे।

कुंभ मेला क्षेत्र में फिर लगी आग, दो गाड़ियां जलींय दमकल विभाग ने पाया काबू

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ मेला क्षेत्र में एक बार फिर से आग लग गई। आग लगने से अफरा–तफरी मच गई। हालांकि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया है। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह कुंभ मेला क्षेत्र में आग लगी। आग से

किसी बड़े नुकसान की जानकारी नहीं है। फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया है। मेले की ओर जाने वाली मुख्य सड़क पर सेक्टर 2 के पास खड़ी दो गाड़ियों में अचानक आग लग गई। एक अर्टिगा और दूसरी वेन्यू कार है। घटना के दौरान यातायात रोक दिया गया। एकादशी होने के कारण महाकुंभ में आज भारी संख्या में लोगों की भीड़ पहुंची है। लेकिन प्रशासन की तेजी के चलते आग की घटना को तुरंत रोक दिया गया है। पिछली आग को देखते हुए कुंभ प्रशासन ने व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए हैं। वहीं आग और दुर्घटनाओं के रोकने के लिए मेले में जगह–जगह पर स्पॉट बनाए हैं। ताकि किसी घटना होने की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया दी जा सके। इसके चलते आज सुबह आग लगने की घटना के दौरान तुरंत दमकल कर्मी मौके पर पहुंची और कार में लोगों को निकालकर आग पर तुरंत काबू पा लिया। सभी लोग सुरक्षित है। मेले में स्थिति समान्य है। फायर ऑफिसर विशाल यादव का कहना है श्रद्धालु दूर–दराज के इलाकों से आ रहे हैं और उन्होंने अपने वाहन यहां पार्क किए हैं। अत्यधिक गर्मी के कारण आग लग गई। दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई हैं और आग पर काबू पा लिया गया है।

'कलेक्ट्रेट परिसर में भव्यता के साथ मनाया गया राष्ट्रीय मतदाता दिवस'

'मतदान कर लोकतंत्र को मजबूत बनाए और राष्ट्र निर्माण में सहभागी बने: जिलाधिकारी'

'स्वीप के अन्तर्गत मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को किया गया सम्मानित।'

'राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2025 कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता की जिलाधिकारी ने दिलाई शपथ।'

मथुरा।जिला निर्वाचन अधिकारी ६ जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया। जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट में मां सरस्वती जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकधशिक्षकाओं, छात्र–छात्राओं आदि को 15वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर शपथ दिलाई, जिसमें शपथ ली गई कि हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए. निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। शपथ के पश्चात जिलाधिकारी ने विभिन्न स्कूलों के छात्र–छात्राओं द्वारा बनाई गई पेंटिंग की प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा छात्रों द्वारा बनाई गई रंगोली की सराहना की। रंगोली, पेटिंग एवं पोस्टर के माध्यम से मतदाता जागरूकता के विभिन्न स्लोग्न को प्रदर्शित किया गया तथा लोगों को इस लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी अहम भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया गया। जिलाधिकारी ने कलक्ट्रेट सभागार में सभी को सम्बोधित करते हुए लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए मतदान की अनिवार्यता पर बल दिया। उन्होंने कहा, श्वोट केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में हमारी सबसे बड़ी भूमिका है। हर एक बोट से लोकतंत्र मजबूत होता है। हमें न केवल स्वयं जागरूक होना है, बल्कि दूसरों को भी प्रेरित करना है कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग करें। लोकतंत्र की मजबूती तभी संभव है जब हर नागरिक इसमें भागीदार बने। उन्होंने वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम, पर जोर दिया। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ६ डीआईजी शैलेश कुमार पाण्डेय ने प्रत्येक तहसील के सर्वश्रेष्ठ दो–दो बीएलओ को सम्मानित किया, जिसमें छाता से विजय पाल, घनश्याम सिंह, मांट से विकास शर्मा, तोताराम, गोवर्धन से मिटठन लाल, कल्पना, अंकित अग्रवाल, मथुरा से इन्द देव तिवारी, रामचरन एवं बल्देव से भूपेन्द्र सिंह तथा प्रदीप कुमार हैं। उन्होंने जनपद के विभिन्न स्कूलों में काव्य पाठ, स्लोगन व पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने कैम्पस एम्बेसडर में पृथ्वी, प्रीति, लवली, पंकज व उमेश चन्द्र, बेस्ट नोडल आफिसर में अशोक कौशिक, रोली तिवारी, रवि पाल, विश्वन्जय सिंह, गिरीश चन्द्र शर्मा, कमलेश कुमार, सुचि खण्डेलवाल, सीमा यादव, सायमा मोहम्मद, रीतु सुरेश तथा विनेश, कोर कमेटी सदस्य में पल्लवी सिंह, दीनदयाल, अखिलेश यादव, मनीष दयाल, मनीषा शर्मा, पूजा राय, राजेश झा, अनीता मुदगल, गुरू प्यारी सतसंगी तथा कविता सक्सेना, एनएसएस नोडल आफिसर में निधि शर्मा, ज्योतेष चौधरी, रूमी जैसवाल तथा नवीन अग्रवाल को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता में ओमप्रकाश, कुलदीप द्विवेदी तथा सुनील कुमार एवं ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता आयोजक अंकित अग्रवाल को सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग मतदाताओं को विशेष रूप से सम्मानित किया। कार्यक्रम में एडीएम प्रशासन विजय शंकर दुबे, एडीएम फाइनेंस योगानंद पांडेय, एडीएम नमामि गंगे राजेश कुमार, एडीएम न्यायिक सुरेन्द्र कुमार, नगर मजिस्ट्रेट राकेश कुमार, उप जिलाधिकारी सदर वैभव गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर अजीत सिंह, ऊषा सिंह, राजकुमार भास्कर, जिला सूचना अधिकारी प्रशांत कुमार सुचारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी आर. पी. अग्रवाल, डीएसओ सतीश कुमार मिश्रा, एडीओ मनोज खण्डेलवाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

साहित्य का कोई जाति या धर्म नहीं होता-डॉ. उमर अली शाह

भीमावरम। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ के नौवें पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि साहित्य समाज के हित की तलाश करता है और साहित्य का कोई जाति या धर्म नहीं होता। डॉ. उमर अली शाह पश्चिम गोदावरी जिले के मुख्यालय भीमावरम के त्यागराज भवन में गुरुवार को डॉ. उमर अली शाह साहित्य समिति द्वारा आयोजित छठे पीठाधिपति स्वर्गीय कवि शेखर डॉ. उमर अली शाह की 80वीं पुण्यतिथि समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महान कवि डॉ. उमर अली शाह, जिन्होंने छोटी उम्र में ही अपना साहित्यिक जीवन शुरू कर दिया था, एक महान कवि थे। वे एक महान व्यक्ति थे जिन्होंने 18वीं शताब्दी में समाज में महिलाओं के पिछड़ेपन को पहचाना और महिलाओं के उत्थान के लिए काम किया। यह बात सामने आई कि उन्होंने समाज का अध्ययन किया और एक समाज सुधारक, स्वतंत्रता सेनानी, कवि और लेखक के रूप में महिलाओं और हरिजनों के उत्थान के लिए अथक प्रयास किया। पीठाधिपति ने कहा कि उमर अली शाह लिटरेचर सोसाइटी द्वारा प्रस्तुत स्मृति साहित्य पुरस्कार के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्तकर्ता और केंद्रीय सेवानिवृत्त आचार्य बेटावोलु राम ब्राह्मण को करते हुए उन्हें खुशी हो रही है। उन्होंने भीमवरम में विगत 32 सालों से उमर अली शाह साहित्य समिति द्वारा साहित्य सेवा कर रहे सदस्यों को बधाई दी । इसके उपरांत डॉ. उमर अली शाह की कृत बरहिनी देवी काव्य संग्रह पर अचार्य बेटावोलू द्वारा एक व्यापक समीक्षा ग्रंथ की का अनावरण किया गया । इस अवसर पर पुरस्कार प्राप्तकर्ता आचार्य बेतवोलु रामब्रह्मम ने कहा कि उमर अली शाह महाकवि तिरुपति के वेंकट कवियों के समकालीन कवि थे। वह एक महान व्यक्ति थे जिन्होंने कविता और शास्त्रों के सदियों को लिखा था। ने कहा कि उन्हें उमर अली शाह द्वारा लिखी गई बरहिनी देवी कविता पर समीक्षा ग्रंथ लिखने का अवसर मिला। यह पता चला है कि साहित्य समिति पुरस्कार को राष्ट्रीय पुरस्कार के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने इस अवसर पर अली शाह और साहित्य समिति के सदस्यों को धन्यवाद दिया। बतौर विशेष अतिथि, मंटेना रामचंद्र राजू ने कहा कि साहित्यिक सभा को जाति या धर्म के परे माना जाता है। पिछले 32 वर्षों से, भीमवरम को साहित्य समिति से सम्मानित किया गया है, जिन्हें कई प्रमुख साहित्यिक विद्वानों के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए हैं। उमर अलीशा पुरस्कार के प्राप्तकर्ता को स्मारक से सम्मानित आचार्य बेतवोलु रामब्रह्मम को 50,116 रुपये का नकद प्रोत्साहक पुरस्कार दिया गया। इस आयोजन में समिति के सचिव, दयान सुरेश चंद्रजी, उपाध्यक्ष त्सावतपल्ली मुरलीकृष्ण, प्रतिभा वड्डी श्री वेंकटेश्वर शर्मा, वेगासना सत्यवती, वड्डी विजयालक्ष्मी और त्सावतपल्ली साई वेंकनाबु ने भाग लिया।

खेलकूद प्रतियोगिता में कु.प्रतिष्ठा मिश्रा अव्वल

प्रयागराज। जगत तारन गर्ल्स डिग्री कालेज में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के अन्तर्गत कबड्डी, खोखो , लम्बी कूद, रेस आदि स्पर्धा में शामिल लगभग पचास विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। लम्बी कूद प्रतियोगिता में कु. प्रतिष्ठा मिश्रा ने प्रथम स्थान हासिल कर अव्वल रहीं। पुरस्कार समारोह के अतिथिगण इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. असीम मुखर्जी, प्रो. अर्चना चहल, प्रभारी खेलकूद डॉ. अंजलि शिवहरे तथा प्राचार्या डॉ.आशिमा घोष ने कु.प्रतिष्ठा मिश्रा को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर पुरस्कृत किया। पुरस्कृत होने वाली छात्राओं में वंशिका मिश्रा, अनुष्का, नेहा दवे, पलक, आयुषी सिंह आदि प्रमुख रहीं। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे। खेल प्रतियोगिता में कु.प्रतिष्ठा मिश्रा के प्रथम पुरस्कृत होने पर डॉ.अकिता चतुर्वेदी, डॉ.नम्रता देव, डॉ.कस्तूरी, डॉ. अनुज वर्मा, डॉ. ऐश्वर्या, डॉ. शेफाली, डॉ. प्रमा द्विवेदी, डॉ.शालिनी, कवि डॉ.पीयूष मिश्र पीयूष , रिंकी मिश्रा, प्रत्यूष, उत्पल, प्रशान्त, परिमल, मयंक, कन्द, ज्ञान देवी ने खुशी प्रकट की है।

पुण्यश्लोक लोकमाता का मंचन'
'संस्कार भारती के राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का हुआ भव्य उद्घाटन'

प्रयागराज। संस्कार भारती के ष्महाकुंभ–2025ष मंच पर काव्य क्रियेशन बम्बई द्वारा रानी अहिल्याबाई होल्कर पर आधारित कविता विभावरी की नाट्य कृति ष्पुण्यश्लोक लोकमाताष का उनके ही निर्देशन में प्रभावशाली मंचन किया गया।नाटक के भाषा सहाय्य जयपुर के रवीन्द्र भारती थे।भाग लेने वाले अभिनय–कलाकार थे कविता विभावरी,स्मृति देसाई,विशाल मोरे,सिमरन सैद,मनोज नटे,विवेक मिश्रा,नितांत आमरे तथा संगीत डॉ0राम पंडित,प्रकाश विजय गोडे,संगीत संयोजन रितेश आमरे,रंग–भूषा जयवंत सातोस्कर,वेशभूषा अमिता सांवत की थी।संस्कार भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रवीन्द्र भारती ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डायरेक्टर जनरल नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट संजीव किशोर गौतम राजपूत एवं कलाकारों को अंगवस्त्र से सम्मानित किया।संचालन डॉ0 योगेन्द्र कुमार मिश्र विश्वबन्धु ने किया। संस्कार भारती के शिविर ष्महेश्वर परिसरष में निर्मित चित्रकला शिविर में राष्ट्रीय चित्रकला प्रदर्शनी का मा. स्वान्त रंजन अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ तथा संस्कार भारती के पालक अथिकारी ने भगवान राम एवं देशभक्तों के जीवन–आदर्शों पर आधारित भव्य चित्रकला प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन किया।

15 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर हुई रंगोली प्रतियोगिता

मथुरा। महावन तहसील में 15 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर 85 विधानसभा अंतर्गत शनिवार को रंगोली प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम में एसडीएम महावन आदेश कुमार ने उत्कृष्ट कार्यो के लिए भी बीएलओ, सुपर वाइजर, नोडल अधिकारियों एवं समस्त छात्रों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और मतदाता

जागरूक के लिए सभी को प्रेरित किया।मतदाता दिवस के अवसर पर सात विद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया। विधानसभा कोऑर्डिनेटर डॉ अखिलेश यादव ने 80 वर्ष से ऊपर के मतदाता पूरन सिंह को सम्मानित किया। इस दौरान तहसीलदार सुशील गुप्ता, नायब तहसील दार साविका शर्मा,प्रद्युम्न तिवारी आदि मौजूद रहे।

हमारा कैसा है गणतंत्र ?

हमारा कैसा है गणतंत्र
हमारा कैसा है गणतंत्र
वर्षों वर्ष सपथ ली लेकिन
जान न पाये मंत्र

सबके अधिकारों का इसमें
है लेखा–जोखा
अब तक किसको न्याय मिला है
मिला सिर्फ धोखा
चला रहे हैं समय–समय पर
धारदार संयंत्र

सिहर रही है आमजनों की
अंतर अभिलाषा
जन–गण का मन अब भी रहता
है भूखा–प्यासा
कमजोरों पर जुल्म हो रहे
कितने हुए स्वतंत्र

धर्म–जाति की निशि–दिन गहरी
की जाती खाईं
संविधान को किया किनारे
कैसे हो भाई
हक दूजों का मार–मार के
करते हो परतंत्र

इधर–उधर की बातचीत कर
अब तक समझाया
सबको मिला बराबर दर्जा
कहके भरमाया
जब–जब मौका पा जाते हैं
कर देते खडयंत्र

हमारा कैसा है गणतंत्र
हमारा कैसा है गणतंत्र
वर्षों वर्ष सपथ ली लेकिन
जान न पाये मंत्र

जयराम जय
पर्णिकाश्बी–11/1,कृष्ण विहार,
आवास विकास,कल्याणपुर,
कानपुर–208017(उ.प्र.)

दिव्य भव्य डिजिटल कुम्भ
(कुण्डलिया)

महिमा संगम कुम्भ की, मानव तज घरबार।
खुले गगन के ही तले,रातें रहे गुजार।
रातें रहे गुजार, कड़ाके की सर्दी में।
गंगा–आशीर्वाद,मिला उनको दर्दी में।
सुन लो कहें प्रदीप,रेणु से समझो गरिमा।
गंगा पुण्य प्रसाद, गा रही उसकी महिमा।।

दिव्य भव्य डिजिटल कुम्भ, चकाचौंध तकनीक।
साधु–सन्त अरु भक्तगण,करते हैं तसदीक।
करते हैं तसदीक, बताते अनुभव अपना।
गंगा पावन नीर, पूर्ण करते सब सपना।
सुन लो कहें प्रदीप, मिले जब आध्यात्मिक बल।
होता कुम्भ नहान,वही दिव्य भव्य डिजिटल। ।

डॉ०प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें

रंजना सचान
थाना प्रभारी निरीक्षक ,महिला थाना (मथुरा)

डिजाइनिंग एंड कंस्ट्रक्शन ऑफ चिल्ड्रन अपैरल में छात्राओं ने सीखे हुनर'

'हमीदिया गर्ल्स डिग्री कॉलेज के फैशन डिजाइन विभाग की ओर से आयोजित की गई छरू दिवसीय कार्यशाला'

प्रयागराज। हमीदिया गर्ल्स डिग्री कॉलेज के फैशन डिजाइन विभाग की ओर से शडिजाइनिंग एंड कंस्ट्रक्शन ऑफ चिल्ड्रन अपैरलश विषयक छरू दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। शनिवार को कार्यशाला की समाप्ति पर बीवोक नोडल अधिकारी प्रो. नसरीन बेगम ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा यह एक ऐसा हुनर है जो हमेशा काम आने वाला है। उन्होंने बताया कि छोटे बच्चों के कपड़े आमतौर पर विशिष्ट गुण और लाभ के अलावा खूबसूरती के आधार पर बनाए जाते हैं। ये कपड़े मुलायम

और आरामदायक भी होना चाहिए। कॉलेज की प्राचार्या प्रो. नासेहा उस्मानी ने सभी छात्राओं को बधाई दिया और कहा कार्यशाला में जो कुछ आप लोगों ने सीखा है, उससे अपना शौक पूरा करने के साथ स्टार्टअप भी कर सकते हैं। छरू दिवसीय कार्यशाला में शैशवावस्था से बढ़ती उम्र तक के बच्चों के लिए नये–नये परिधान के पैटर्न बनाने, काटने और सिलने की शैली बताई गई। नवजात शिशु के सेट, डंगरी पोशाक, लाइन फ्रॉक, स्कर्टध्ट्यूनिक आदि बनाना सिखाया गया। छात्राओं के द्वारा किए गए कार्य, लगन और मेहनत के आधार पर प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को प्रशस्ति पत्र व उपहार भी दिये गये। इस मौके पर डॉ. शमा रानी, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. मोनिषा गुप्ता, सुश्री नबिया एवं सुश्री हर्षिता फैशन डिजाइन फैकल्टी छात्राएं उपस्थिति रही।

महाकुम्भ मेला 2025 के दौरान
मेला विशेष रेलगाड़ियों का संचालन, समय में संशोधन एवं आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन।

भारतीय रेल द्वारा सम्मानित श्रद्धालुओं / रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये निम्नलिखित मेला विशेष रेलगाड़ियों का संचालन, समय में संशोधन एवं आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है :–

(1) गाड़ी संख्या 04117/04118 प्रयागराज–अयोध्या अनारक्षित मेला विशेष गाड़ी (दैनिक)

04117 प्रयागराज–अयोध्या			04118 अयोध्या से प्रयागराज	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	22:20	प्रयागराज जं.	10:15	—
22:34	22:36	प्रयाग	09:50	09:52
22:50	22:52	फाफामऊ जं.	09:35	09:37
23:12	23:14	मऊआइमा	08:30	08:32
23:40	23:45	माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़	07:50	07:55
00:30	00:35	सुल्तानपुर	07:00	07:05
03:00	03:05	अयोध्या कैण्ट	05:33	05:38
03:30	—	अयोध्या धाम जं.	—	05:15

• प्रयागराज जं. से : गाड़ी संख्या 04117 दिनांक 25.01.25 से 28.02.25 तक
• अयोध्या धाम जं. से : गाड़ी संख्या 04118 दिनांक 26.01.25 से 01.03.25 तक

(2) गाड़ी संख्या 01821/01822 ग्वालियर–सूबेदारगंज अनारक्षित मेला विशेष गाड़ी

01821 ग्वालियर–सूबेदारगंज			01822 सूबेदारगंज से ग्वालियर	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	21:40	ग्वालियर	—	18:00
21:57	21:59	शनीचरा	16:25	16:27
22:10	22:12	मालनपुर	16:10	16:12
22:30	22:32	गोहद रोड	15:30	15:32
22:50	22:52	सोनी	15:13	15:15
23:30	23:35	भिण्ड	14:50	14:55
00:55	01:00	इटावा जं.	13:50	13:55
01:50	01:52	फफूँद	13:00	13:02
02:28	02:30	झींझक	12:33	12:35
03:55	03:57	रूरा	12:15	12:17
04:55	05:00	गोविन्दपुरी	11:30	11:35
06:00	06:05	फतेहपुर	09:50	09:55
—	08:00	सूबेदारगंज	—	08:30

• ग्वालियर से : गाड़ी संख्या 01821 दिनांक 27.01.2025 से 29.01.2025 तक
• सूबेदारगंज से : गाड़ी संख्या 01822 दिनांक 28.01.2025 से 30.01.2025 तक

(3) गाड़ी संख्या 09817/09818 कोटा–रीवा कुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ी

09817 कोटा – रीवा			09818 रीवा – कोटा	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	08:45	कोटा	09:45	—
14:30	14:35	आगरा फोर्ट	03:25	03:30
16:35	16:37	टूण्डला	02:25	02:30
17:50	17:52	इटावा जं.	00:01	00:03
20:10	20:15	गोविन्दपुरी	21:50	21:55
21:20	21:22	फतेहपुर	20:35	20:37
01:45	01:50	प्रयागराज जं.	18:30	18:35
04:50	04:52	मानिकपुर	15:53	15:55
07:30	—	रीवा	—	12:00

• कोटा से : गाड़ी संख्या 09817 दिनांक 07.02.25 एवं 22.02.25 • रीवा से : गाड़ी संख्या 09818 दिनांक 09.02.25 एवं 24.02.25

(4) पूर्व संचालित गाड़ी संख्या 04111/04112 एवं 04113/04114 प्रयागराज जं. – प्रयागराज जं. अनारक्षित रिंग रेल सेवा की अवधि को बढ़ाया गया है यह गाड़ी दिनांक 28.01.2025, 29.01.2025 एवं 30.01.2025 को भी चलेगी

(5) गाड़ी सं. 07382 टूण्डला–श्री. सि. स्वा. हुब्बल्लि कुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ी के समय में संशोधन

स्टेशन	संशोधित समय आगमन	संशोधित समय प्रस्थान	तिथि से प्रभावी
टूण्डला	—	17:10	09.02.2025 (रविवार)
इटावा	18:08	18:10	
गोविन्दपुरी	20:25	20:30	
फतेहपुर	21:30	21:32	
प्रयागराज	02:05	02:10	10.02.2025 (सोमवार)
श्री. सि. स्वा. हुब्बल्लि तक के समय में कोई परिवर्तन नहीं है।			
श्री. सि. स्वा. हुब्बल्लि	—	18:40	11.02.2025 (मंगलवार)

(6) रेलगाड़ियों का आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन
• गाड़ी संख्या 54101 प्रयागराज संगम–कानपुर अनवरगंज पैसेन्जर अपने प्रारम्भिक स्टेशन से यात्रा प्रारम्भ करने की तिथि दिनांक 27.01.2025, 28.01.2025, 29.01.2025 एवं 30.01.2025 को प्रयागराज संगम के स्थान पर फाफामऊ जं. स्टेशन से समय 16:20 बजे चलेगी।
• गाड़ी संख्या 54102 कानपुर अनवरगंज–प्रयागराज संगम पैसेन्जर अपने प्रारम्भिक स्टेशन से यात्रा प्रारम्भ करने की तिथि दिनांक 27.01.2025, 28.01.2025, 29.01.2025 एवं 30.01.2025 को प्रयागराज संगम के स्थान पर फाफामऊ जं. स्टेशन पर समय 08:40 बजे पहुँचेगी।
169/25 (C)

नोट : रेल यात्रियों को सूचना दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय–सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं. 139, एनटीईएस ऐप रेल मदद वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।
1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे
@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

मुफ्त का चंदन

यह विडंबना है कि आजादी की हीरक जयंती मना चुके देश में मतदाता को हम इतना जागरूक नहीं बना पाए कि वो अपने विवेक से मतदान कर सके। निस्संदेह, यदि देश में गरीबी और आर्थिक असमानता है तो हमारे नीति–नियंताओं की विफलता ही है। लेकिन हम में कम से कम इतना राष्ट्र प्रेम तो होना चाहिए कि निहित स्वार्थों के लिये हम राष्ट्रीय हितों की बलि न चढ़ाएं। दिल्ली के चुनाव में मुफ्त–मुफ्त का जो खेल विधानसभा चुनाव प्रक्रिया के दौरान चल रहा है, उसके जनक विभिन्न राज्यों में कई राजनेता भी रहे हैं। लेकिन फिलहाल दिल्ली में केजरीवाल की चर्चा ज्यादा है। वे नित नये राजनीतिक प्रलोभन देकर मतदाताओं को अपने पाले में लाने के प्रयास में जुटे हैं। विडंबना यह है कि कुछ समय पहले तक भाजपा का शीर्ष नेतृत्व भी मुफ्त की रेवड़ियां बांटने को राष्ट्रीय हितों के लिये घातक बताता था, वही भाजपा केजरीवाल को उसी की मुफ्त वाली नीतियों से मात देने के लिये चुनावी मैदान में उतरी है। दरअसल पिछले आम चुनाव में चार सौ पार के अरमानों को झटका लगने के बाद भाजपा भी मुफ्त के खेल में उलझ गई है। दौड़ में अब कांग्रेस भी उतर गई है। विडंबना यह है कि जो पैसा दीर्घकालिक विकास कार्यों में लगाया जाना चाहिए था, वह मुफ्त के फेर में फंस गया है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जिस भी महकमे ने मुफ्त में सेवाएं देनी शुरू की, उसका भट्ठा ही बैठा है। अब चाहे मुफ्त की बिजली हो, पानी हो या फिर बस सेवा। कमोबेश, यही हाल भारतीय रेलवे का भी है, जो राजनेताओं के किराये बढ़ाने के विरोध के बाद खुद को संभाल नहीं पा रही है। बड़ा तंत्र होने के बावजूद उसके सुरक्षातंत्र को मजबूत बनाने के लिये पर्याप्त लाभ नहीं कमाया जा सका। विडंबना यह भी है कि तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार और दूरदर्शी राजनेताओं के अभाव में विकास की रोशनी हर घर तक नहीं पहुंची। लेकिन इसका समाधान मुफ्त के खेल में कदापि नहीं है। निस्संदेह, मुफ्त की नीति लोगों को अकर्मण्य बनाती है। जरूरी था कि लोगों को इतना सक्षम बनाया जाता कि उन्हें स्थायी रोजगार का अवसर मिलता। फिर उन्हें मुफ्त मांगने की जरूरत ही नहीं होती। विडंबना यह है कि हमारे परिवार–समाज की धुरी मानी जाने वाली महिलाओं को प्रलोभन देने का खेल राष्ट्रीय स्तर पर शुरू हो गया है। पहले ये शुरुआत मध्यप्रदेश से हुई। फिर महाराष्ट्र में बहनों के लिये आर्थिक प्रोत्साहन राशि गेम चेंजर साबित हुई। अब वही कवायद दिल्ली के विधानसभा चुनाव में देखी जा रही है। दिल्ली की आप सरकार ने पहले मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के तहत एक हजार रुपये की राशि पात्र महिलाओं को बांटी। अबकी बार आप ने यह राशि बढ़ाकर 2,100 करने की घोषणा की है। इसी तर्ज पर भाजपा महिला समृद्धि योजना लेकर आई है, जिसके तहत पात्र महिलाओं को 2,500 रुपये सत्ता में आने पर दिये जाने का वायदा है। इस मुफ्त के खेल में अब कांग्रेस भी उतर गई है, जिसने सभी पात्र महिलाओं को 2,500 मासिक देने की घोषणा की है। भाजपा व कांग्रेस को लगता है कि आप की मुफ्त की राजनीति को मुफ्त के दांव से ही शिकस्त दी जा सकती है। निस्संदेह, हमारी आधी दुनिया की अर्थव्यवस्था में वह भूमिका तय नहीं हो पायी, जो 21वीं सदी में होनी चाहिए थी। हमारे वंचित समाज की महिलाओं को आर्थिक आजादी दिया जाना तार्किक पहल है। लेकिन उन्हें स्वावलंबी बनाने की जरूरत है न कि याचक के रूप में मुफ्त की आर्थिक सहायता देने की। इससे न केवल सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ता है बल्कि मुफ्त की लत भी बढ़ती है। अर्थशास्त्रियों की राय से सहमत हुआ जा सकता है कि प्रतिस्पर्धी लोकलुभावनवाद राजकोषीय स्वास्थ्य के लिये खतरनाक है। जो कालांतर दीर्घकालीन विकास के लिये घातक साबित हो सकता है। निश्चित रूप से भारत के चुनाव आयोग को इस गंभीर मुद्दे पर पहल कर चुनावी प्रक्रिया की शुचिता को बनाने और राजकोषीय स्वास्थ्य की रक्षा की दिशा में पहल करनी चाहिए। सही मायनो में मुफ्तखोरी की संस्कृति भारतीय लोकतंत्र का मजाक ही है।

उच्च शिक्षा की उखड़ती जड़ें

डॉ. दीपक पाचपोर

नरेन्द्र मोदी भारत को शोध, शिक्षण और ज्ञान का केंद्र बनाने का दावा करते हैं। अपना तीसरा कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का जब उद्घाटन किया था, तब भारत में ज्ञान की महान परंपरा की बातें की थीं।

केरल विधानसभा ने बीते मंगलवार 21 जनवरी को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग या यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) के मसौदा नियमों को वापस लेने का आग्रह किया है। यूजीसी के नए मसौदा नियमों की आलोचना कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे गैर–भाजपा शासित राज्यों ने भी की है। इस महीने की शुरुआत में तमिलनाडु सरकार ने इसकी आलोचना की थी। राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री गोवी चेजियान ने यूजीसी नियमों के मसौदे को तानाशाही बताते हुए कहा था कि अगर केंद्र सरकार इसे वापस नहीं लेती है तो डीएमके सरकार कानून का सहारा लेगी और इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन भी करेगी। वहीं केरल में न केवल सत्तारुढ़ सीपीआई (एम) बल्कि विपक्षी कांग्रेस भी इस फैसले में साथ है। केरल में सरकार और विपक्ष दोनों का मानना है कि यह उच्च शिक्षा में संघ परिवार के एजेंडे का हिस्सा है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने अपने प्रस्ताव में यूजीसी मसौदा नियमों को उच्च शिक्षा क्षेत्र के व्यवसायीकरण के लिए एक कदम मात्र बताया है। प्रस्ताव में कहा गया है कि बदलते नियमों को उच्च शिक्षा को धार्मिक और सांप्रदायिक विचारों का प्रचार करने वालों के चंगुल में फसाने के प्रयास के रूप में देखा जा सकता है। प्रस्ताव में कहा गया है, शविश्वविद्यालयों और अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों के कामकाज के लिए लगभग 80 प्रतिशत पैसा राज्य सरकारों द्वारा खर्च किया जाता है। विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता को बनाए रखने में राज्य सरकारों की प्रमुख भूमिका रहती है। केरल विधानसभा का मानना है कि केंद्र सरका गौरतलब है कि हाल ही में केंद्र सरकार ने यूजीसी के नए मसौदा नियम जारी किए, जिसमें ऊपरी तौर पर यह दिखाने की कोशिश की गई है कि ये फैसले उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और विश्वविद्यालयों का स्तर ऊंचा उठाने के लिए किए गए। लेकिन असल में इससे उच्च शिक्षा में बड़ी सेंध लगती नजर आ रही है। गौरतलब है कि यूजीसी के नए नियम राज्यों में राज्यपालों को कुलपतियों की नियुक्ति के लिए व्यापक अधिकार दिया गया है। साथ ही कुलपति का पद शिक्षाविदों तक सीमित नहीं रखकर इसे उद्योग विशेषज्ञों और सार्वजनिक क्षेत्र के दिग्गजों के लिए भी खोल दिया गया है। मतलब अब अगर कोई उद्योगपति चाहे तो वह किसी विश्वविद्यालय का कुलपति बन सकता है, भले उसके पास शैक्षणिक योग्यता और अनुभव न हों। उच्च शिक्षा के साथ इतना भद्दा खिलवाड़ आजादी के बाद से अब तक नहीं हुआ। नरेन्द्र मोदी इसे भी मुमकिन बना रहे हैं। इस फैसले पर गैर भाजपाई दल और सरकारें तो फिक्रमंद दिख ही रहे हैं, भाजपा की सहयोगी जदयू ने भी इस पर आपत्ति दर्ज की है। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि हमें कुलपतियों की नियुक्ति में निर्वाचित सरकारों की भूमिका सीमित करने को लेकर चिंता है। यह उच्च शिक्षा के लिए राज्य सरकार के रोड मैप को प्रभावित करेगा। भाजपा की एक अन्य सहयोगी लोजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अरविंद कुमार वाजपेयी ने कहा कि इस मामले पर विचार–विमर्श करना संसद का विशेषाधिकार है। यूजीसी ने प्रकाशनों की मानक सूची को भी बंद करने का फैसला लिया है। बता दें कि विश्वविद्यालय और डिग्री कॉलेज के प्राध्यापकों की पदोन्नति के लिए उत्कृष्ट पत्रिकाओं और जर्नल में शोध–पत्र किताब और लेख प्रकाशित होना चाहिए। इसके लिए यूजीसी की मानक सूची से उन पत्रिकाओं की पहचान करने में मदद मिलती थी, जो विश्वसनीय हैं और शोधपत्र प्रकाशित करने के लिए कुछ गुणवत्ता मानकों को पूरा करती हैं। दरअसल पहले कुछ कीमत अदा करके फर्जी पत्रिकाओं में शोध आलेख प्रकाशित करवा लिए जाते थे, जिस पर रोक लगाने के लिए 2018 में यूजीसी–कंसोर्टियम फॉर एकेडमिक्स एंड रिसर्च एथिक्स यानी यूजीसी केयर शुरु किया गया, जो स्कोप्स और वेब ऑफ साइंस जैसे विश्व स्तर पर स्वीकृत डेटाबेस में अनुक्रमित पत्रिकाओं की एक संदर्भ सूची है। विशेषज्ञों द्वारा गहन मूल्यांकन के बाद भारतीय पत्रिकाओं को सूची में शामिल किया गया। लेकिन अब प्रकाशनों के चयन का फैसला विश्वविद्यालयों पर छोड़ दिया गया है। शिक्षाविदों का मानना है कि इससे फिर से फर्जी और स्तरहीन प्रकाशनों के पनपने के लिए जमीन तैयार होगी। नए मसौदा नियमों में पदोन्नति के लिए प्रकाशित पेपर की संख्या भी कम कर दी गई है। अब तक एक सहायक प्रोफेसर को पदोन्नति के लिए सात पेपर प्रकाशित करने होते हैं, जबकि एक एसोसिएट प्रोफेसर को 10 पेपर प्रकाशित करने होते हैं। लेकिन नए मसौदे में पदोन्नति के लिए एक सहायक प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर द्वारा तीन पेपर प्रकाशित करने की आवश्यकता निर्धारित की गई है। यानी यूजीसी ने प्रकाशनों की गुणवत्ता के साथ–साथ, शोध कार्यों की गुणवत्ता को भी दांव पर लगा दिया है। वैश्विक स्तर पर उच्च शिक्षा के मामले में भारत की साख पहले ही कम होती जा रही थी, अब शोध और प्रकाशन के मामले में भारतीय विश्वविद्यालयों की छवि और खराब हो जाएगी। नरेन्द्र मोदी भारत को शोध, शिक्षण और ज्ञान का केंद्र बनाने का दावा करते हैं। अपना तीसरा कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का जब उद्घाटन किया था, तब भारत में ज्ञान की महान परंपरा की बातें की थीं। लेकिन उनके पिछले दो कार्यकालों में भारत में उच्च शिक्षा केंद्र विवादों में पड़े। जेएनयू, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, अलीगढ़ मुस्लिम विवि, हैदराबाद विवि, जादवपुर विवि, ऐसे कई ख्यातनाम विश्वविद्यालयों में अवांछित विवाद खड़े हुए। आईआईटी जैसे संस्थानों में बैठे लोगों ने कई बार अतार्किक बयान दिए। प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक संघ की हिंदुत्ववादी सोच थोपने की कोशिश दिखाई दी और अब यूजीसी के नए मसौदे से जाहिर हो रहा है कि शिक्षा के नाम पर राजनैतिक, कारोबारी फायदे के लिए सरकार जमीन तलाश रही है। इसमें कुछ लोगों के पैर तो जम जाएंगे, लेकिन उच्च शिक्षा की जड़ें उखड़ जाएंगी।

अधिकारों और कर्तव्यों का मूल है 'गणतंत्र दिवस'

संगीता श्रीवास्तव 'सुमन'

भारत विश्व का सबसे बड़ा गणतंत्र है, इस बात पर हम सभी भारतीय गर्व से भर जाते हैं। गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस हमारे दो राष्ट्रीय पर्व हैं। गणतंत्र दिवस वास्तव में भारत का संविधान दिवस है, जिसे हम गणतंत्र दिवस के नाम से प्रति वर्ष 26 जनवरी को मनाते हैं। इस बार हम देश का 76 वां गणतंत्र दिवस मना रहे हैं। हमारे संविधान ने हमें अपने अधिकार और कर्तव्य से अवगत कराया और प्रगति के विशेष अवसर प्रदान किए,समानता सुनिश्चित की है। गणतंत्र दिवस हमें हर वर्ष इन्हीं विशेषताओं का ध्यान दिलाता है। हमें अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करता है। बड़े जानते हैं और बच्चे भी जान लें कि भारत का संविधान 2 साल 11 महीने और 18 दिन में बनकर 26 नवंबर 1949 को तैयार हो गया था, लेकिन इसे 26 जनवरी को इस लिए लागू किया गया क्योंकि 26 जनवरी 1930 को लाहौर अधिवेशन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने श्पूर्ण स्वराजश की मांग और घोषणा की थी । अतः 26 जनवरी को संविधान लागू करके भारत ने ब्रिटिश शासन से आजादी के अपने संघर्ष को पूरा किया। इस दिन हम 1930 के श्पूर्ण स्वराज दिवसश की मांग को भी याद करते हैं। संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर, 1946 को नई दिल्ली में संविधान हॉल में हुई थी, जिसे अब संसद भवन के सेंट्रल हॉल के नाम से जाना जाता है। इस तरह 26 जनवरी 1950 को हमारा देश एक गणतंत्र के रूप में स्थापित हुआ था। गणतंत्र का सीधा सा अर्थ यह हुआ कि देश की राजनीतिक शक्तियां हमारे प्रतिनिधियों के चुनाव के माध्यम से एक तरह से हमारे ही हाथ में हैं। यह हमेशा याद रखना चाहिए कि आज ही के दिन हमें हमारा लिखित संविधान मिला था। जिसका अनुपालन करना हम सभी भारतीयों के लिए अनिवार्य है। गणतंत्र दिवस भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों का पर्व है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हम सब बराबर हैं और देश के शासन में हमारी भी भागीदारी सुनिश्चित है। यह दिन देश की कई जातियों, संस्कृतियों और धर्मों,भाषाओं को एकजुट होने का अवसर देता है और हमें हमारे संविधान के उस महत्व की याद दिलाता है, जो हमें हमारे अधिकारों और कर्तव्यों को परिभाषित करता है। हम सभी जानते हैं कि 15 अगस्त याने स्वतंत्रता दिवस के दिन देश के प्रधानमंत्री ध्वजारोहण के बाद लाल किले की प्राचीर से देशवासियों को सम्बोधित करते हैं। इसी तरह 26 जनवरी , गणतंत्र दिवस के मौके पर हर साल देश के राष्ट्रपति दिल्ली में राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं। ध्वज को लपेट कर खंभे के शीर्ष पर लगाया जाता है और राष्ट्रपति उसे खींच कर अनावरण करते हैं। आजादी का उत्सव मनाते हुए जहां हम सुभाष चन्द्र बोस, शहीद भगत सिंह और चंद्र शेखर आजाद को याद करते हैं, वहीं गणतंत्र दिवस पर भारत का आधार मजबूत करने के लिए संविधान निर्माता डा. भीमराव अम्बेडकर को नमन करते हैं। उनके नेतृत्व में ही संविधान सभा ने पहली बार दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश को सामाजिक व राजनीतिक रुप से ही नहीं आंतरिक व बाह्य दृष्टि से भी एक मजबूत आधार प्रदान किया था। यह हमें जाति–पाति, ऊंच–नीच के भेद मिटाकर अपने अधिकारों और कर्तव्यों के साथ बने रहने को प्रेरित करता है। गणतंत्र दिवस की महत्ता और सार्थकता ही इस बात में निहित है कि हम एकजुट होकर काम करें और देश के विकास में किसी प्रकार अपना योगदान दे सकें। युवा भारत को यह बात समझनी होगी कि लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की अहम भूमिका है और देश का युवा आज बढ़ चढ़कर राजनीतिक क्षेत्र में खुद को आजमा भी रहा है, लेकिन उसे यह भी समझना होगा कि राजनीतिक दलों की अपनी राजनीतिक विचारधारा, नीतियां और कार्यक्रम हो सकते हैं , जिसके आधार पर वे जनता के बीच अपने पक्ष में माहौल बनाते हैं। लोकतंत्र राजनीतिक दलों द्वारा एक –दूसरे की विचारधारा या नीतियों पर सहमति या असहमति का अधिकार तो देता है ,

परंतु साथ ही यह कर्तव्य भी याद दिलाता है कि किसी भी तरह के राजनीतिक, सामाजिक या आंतरिक विरोध को हम अपने देश हित से आगे नहीं रख सकते। आखिर गणतंत्र मुख्य रूप से संविधान पर केंद्रित है और इसमें सरकार पर प्रतिबंध लाजिम है।

गौरव की भाषा नयी सीख,भीखमंगों की आवाज बदल ।

सिमटी बांहो को खोल गरुड, उड़ने का अब अंदाज बदल ।

किसी भी देश के युवा सबसे महत्तवपूर्ण संपत्ति माने जाते हैं।युवावस्था पूरे देश के लिए पूरी दुनिया पर अपनी छाप छोड़ने का मौका हैं क्योंकि हर व्यक्ति अपनी युवावस्था में सबसे ज्यादा उत्साह से परिपूर्ण होता है। युवा ही भविष्य के नेता, निर्णय–निर्माता और नवप्रवर्तक है जो राष्ट्र के भविष्य की दिशा को आकार देने का कार्य करते हैं। विकासशील देशों में युवा आबादी एक बड़ा हिस्सा होता है और वे आर्थिक एवं सामाजिक परिवर्तन के लिए महत्तवपूर्ण भूमिका निभाते है।विश्व स्तर पर 15 से 24वर्ष की आयु के बीच 1.2 अरब युवा है जो दुनिया की आबादी के छठे हिस्से से अधिक हैं जो कि विकास के लिए एक बड़ी शक्ति है तथा उनमें सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए सकारात्मक क्षमता रखते हैं। वे समाज में सक्रिय हो सके इसके लिए उन्हें सशक्त बनाने की अत्यधिक आवश्यकता है। ऐसे अनेक तरीके है जिनसे युवा समाज निर्माण और आर्थिक विकास में योगदान दे सकते हैं। वे व्यवसाय शुरु कर सकते हैं, नए उत्पाद और सेवाएँ बना सकते हैं और अनेक समस्याओं के लिए नवीन समाधान विकसित कर सकते हैं। सरकारी नीतियों और प्रणालियों को बेहतर बनाने के लिए न केवल कार्य कर सकते हैं वरन्त् वे महत्त्वपूर्ण मुद्दों के बारे में जागरुकता बढ़ा सकते हैं एवं सकारात्मक परिवर्तन के लिए समर्थन बनाने में मदद कर सकते हैं। युवावर्ग सशक्त समाज निर्माण में भी सहायता कर सकते है। वास्तव में संसार को बदलने की क्षमता है युवाओं में और उन्हें अपनी क्षमताओं का प्रयोग भलाई के लिए करना चाहिए । आर्थिक विकास के लिए युवा जो सबसे महत्तवपूर्ण काम कर सकते हैं उनमें से एक है शिक्षित बने रहना इसका तात्पर्य यह कदापि नहीं है कि मात्र अच्छे अंक प्राप्त करें अपितु वास्तव में वित्तीय साक्षरता और अर्थशास्त्र के बारे में सीखना हैं उन्हें यह भी समझने की आवश्यकता है कि अर्थव्यवस्था कैसे काम करती है ताकि जब वे कार्यक्षेत्र में प्रवेश करें तो वे उचित निर्णय ले सके। इसके अतिरिक्त उन्हें निवेश विकल्पों का भी ज्ञान होना चाहिए ताकि वे भविष्य के लिए बचत कर सकें। अतरू स्पष्ट हैं कि शिक्षित होकर तथा नवोन्मेषी बनकर वे अपने तथा देश के लिए उज्जवल भविष्य निर्माण कर सकते हैं। युवापीढ़ी ही देश का भविष्य है अतः जब युवापीढ़ी पर्याप्त सशस्त और मजबूत होगी राष्ट्र भी सुदृढ़ होगा। भारत में युवा बहुत सारी समस्याओं का सामना कर रहे हैं जिन्हें मुख्य रूप से से 2भागों में बांटा जा सकता है –1. शिक्षित युवाओं की समस्या

2.अशिक्षित युवाओं की समस्या

शिक्षित युवा बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, पारिवारिक दबाव, बढ़ती प्रतियोगिता अपर्याप्त अवसर जैसी समस्याओं से जूझ रहे है वहीं इसी तरह अशिक्षित युवा नशा, अपराध, गरीबी आदि समस्याओं का सामना कर रहे हैं। भारत को एक विकसित देश बनाने के लिए जो प्रगति अपेक्षित है उसे पूरा करने के लिए युवाओं को उन दिशाओं में प्रेरित करने की आवश्यकता हैं जो लक्ष्य को प्राप्त कर सकें। युवाओं के आतंवाद की ओर आकर्षित होने को लेकर काफी चिंता है और कानून व्यवस्था में बड़े बदलाव की जरूरत है। उनके लिए मात्र किताबी ज्ञान पर्याप्त नहीं है बल्कि उनके चारित्रिक उत्थान की आवश्यकता है जिसके लिए देश में केवल नम्बरों के आधार पर बढ़ावा देने वाली नहीं अपितु चरित्र को बल देने वाली सुदृढ़ व शसक्त शिक्षा प्रणाली की जरूरत है सिर्फ छल और प्रपंच द्वारा ग्रेड हासिल करने वाली शिक्षण संस्थाओ की अपेक्षा आदर्श स्थापित करने वाले गुरुकुलों की आवश्यकता है जिसमें सिर्फ रुपया कमाने के उद्देश्य से शिक्षक बनने वाले लोगों के बजाय देश के विकास के लिए संकल्पित शिक्षकों का होना जरूरी है ताकि हमारे देश को राम, कृष्ण, शिवाजी एवं महाराणा प्रताप, विवेकानंद जैसा नेतृत्व मिल सके। जो समाज की दिशा और दशा को उन्नति के शिखर पर ले जा सके।

अमेरिकी राष्ट्रपति की अमेरिका फर्स्ट नीति भारत को कई तरह से प्रभावित करेगी

के रवींद्रन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी श्टैरिफ मैनश छवि को स्थापित करने में कोई समय नहीं गंवाया, जिसका वे भरपूर आनंद लेते दिख रहे हैं। उनकी पहली घोषणाओं में से एक मेक्सिको और केनेडा पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाना था। उनके बहुचर्चित अमेरिका फर्स्ट दृष्टिकोण का मतलब है कि यह एक विस्तृत सूची होगी, जिसमें चीन और यूरोपीय संघ के देश अगले निशाने पर होंगे। भारत भी इस सूची में प्रमुखता से शामिल था। कुल मिलाकर, उत्साहित ट्रम्प वैश्विक व्यापार को अस्थिर करने के लिए तैयार हैं, और यह भारत जैसे देशों के लिए अच्छी खबर नहीं है। हालांकि केनेडा और मेक्सिको के खिलाफ आक्रामक टैरिफ का केवल एकतरफा प्रभाव होने की संभावना नहीं है। इसका अमेरिका और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ेगा। मेक्सिको और केनेडा मिलकर अमेरिका के सभी आयातों का 30 प्रतिशत हिस्सा हैं। अमेरिका ने पिछले साल कारों से लेकर किराने के सामान तक मेक्सिको से 475अरब डॉलर और केनेडा से 418अरब डॉलर का सामान आयात किया। अमेरिका ने पिछले साल केनेडा को 354अरब डॉलर और मेक्सिको को 322अरब डॉलर का सामान निर्यात किया। इसलिए, टैरिफ युद्ध के दोनों पक्षों के लिए गंभीर परिणाम होंगे और इसका मतलब दोनों देशों के उपभोक्ताओं के लिए उच्च कीमतें होंगी। नये अमेरिकी राष्ट्रपति ने संकेत दिया है कि उनकी श्पहले अमेरिकाश नीति डॉलर के लिए किसी भी कथित चुनौती को बर्दाश्त नहीं करेगी। यह भारत के लिए बहुत अधिक चिंताजनक नहीं हो सकता है, क्योंकि हम डॉलर को डिफॉल्ट वैश्विक मुद्रा के रूप में वापस देखने की किसी भी पहल का हिस्सा नहीं हैं। लेकिन ऐसे अन्य तरीके भी हैं जिनसे भारत और भारतीयों को नुकसान होगा। राष्ट्रपति ट्रम्प सभी गैर–नियमित आप्रवासियों को विदेशी दुश्मन मानते हैं और उनमें भारतीय भी बहुत महत्वपूर्ण तरीके से शामिल हैं। भारत, हालांकि टैरिफ के शुरुआती दौर से सीधे तौर पर लक्षित नहीं है, लेकिन इस संरक्षणवादी लहर के नतीजों से अछूता नहीं है। वैश्विक अर्थव्यवस्था की परस्पर जुड़ी प्रकृति का मतलब है कि एक क्षेत्र में व्यवधान का अन्यत्र भी व्यापक प्रभाव हो सकता है। भारत के लिए, संभावित नतीजे बहुआयामी हैं। ट्रंप की व्यापक आर्थिक नीतियां भारत को कई तरह से प्रभावित कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, संरक्षणवादी रुख वैश्विक व्यापार की मात्रा को कम कर सकता है, जिससे भारत के निर्यात–संचालित क्षेत्रों पर असर पड़ सकता है। भारत के लिए सबसे तात्कालिक चिंताओं में से एक आव्रजन नीति के क्षेत्र में है। ट्रंप के प्रशासन ने लगातार आव्रजन पर सख्त रुख अपनाया है, गैर–नियमित आप्रवासियों को विरोधी करार दिया है। इस बयानबाजी और साथ ही नीतिगत बदलावों से संयुक्त राज्य अमेरिका में रहने और काम करने वाले अनुमानित 7, 25,000 भारतीयों पर असर पड़ने की उम्मीद है। इनमें से कई व्यक्ति प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, जो कुशल आप्रवासी श्रम पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं। आव्रजन नीतियों में कोई भी प्रतिबंधात्मक परिवर्तन, जैसे कि सख्त एच–1बी वीजा नियम, प्रतिभा और नवाचार के प्रवाह को बाधित कर सकते हैं, जिससे भारत और अमेरिकी अर्थव्यवस्था दोनों को नुकसान हो सकता है।आव्रजन से परे, भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच व्यापार में अतिरिक्त चुनौतियां हैं, खासकर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में। अमेरिका लंबे समय से भारतीय आईटी सेवाओं और प्रौद्योगिकी निर्यात के लिए एक प्रमुख गंतव्य रहा है। हालांकि, डेटा सुरक्षा, बौद्धिक संपदा अधिकारों और निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं के बारे में बढ़ती चिंताओं ने इस रिश्ते को तनावपूर्ण बना दिया है। अमेरिकी नीति निर्माताओं ने अक्सर भारतीय फर्मों पर अमेरिकी बाजार तक पहुंच से अनुचित लाभ उठाने का आरोप लगाया है, जबकि भारत में अमेरिकी कंपनियों के लिए बाधाएं लगाई हैं। इन शिकायतों ने व्यापार संबंधों में अधिक पारस्परिकता की मांग की है, जिससे द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी संभावित रूप से जटिल हो सकती है। चिंता का एक और क्षेत्र अमेरिका को भारतीय दवा निर्यात की बढ़ती जांच की संभावना है। भारत अमेरिकी बाजार में जेनेरिक दवाओं के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ताओं में से एक है, जो लाखों लोगों को किफायती स्वास्थ्य सेवा समाधान प्रदान करता है। हालांकि, ट्रंप प्रशासन का निष्पक्ष व्यापार पर ध्यान केंद्रित करने से भारतीय फार्मास्यूटिकल्स पर सख्त विनियामक आवश्यकताएं और उच्च टैरिफ हो सकते हैं, जिससे अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए लागत बढ़ सकती है और भारतीय फर्मों की प्रतिस्पर्धात्मकता को खतरा हो सकता है। कृषि भी एक विवादास्पद मुद्दा है। अमेरिका ने अक्सर भारत की कृषि सब्सिडी और व्यापार नीतियों की आलोचना की है, यह तर्क देते हुए कि वे वैश्विक बाजारों को विकृत करते हैं। इसके विपरीत, भारत ने अपने घरेलू किसानों की सुरक्षा की आवश्यकता का हवाला देते हुए अपने कृषि बाजारों तक अधिक पहुंच की अमेरिकी मांगों का विरोध किया है। यह गतिरोध दो अलग–अलग अर्थव्यवस्थाओं के आर्थिक हितों को समेटने की व्यापक चुनौतियों को दर्शाता है। ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट नीति भारत के अक्षय ऊर्जा क्षेत्र के लिए भी चुनौतियां पेश करती है।

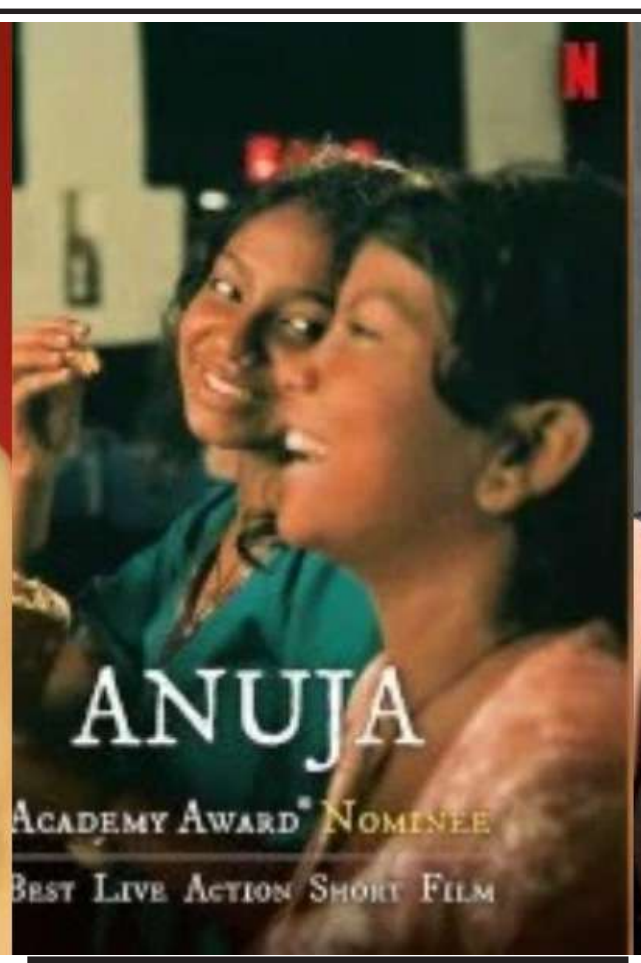

प्रियंका चोपड़ा द्वारा प्रोड्यूस और एडम जे. ग्रेव्स द्वारा निर्देशित शॉर्ट फिल्म 'अनुजा' ऑस्कर के लिए नोमिनेट

पति और पत्नी की टीम एडम जे. ग्रेव्स (निर्देशक) और सुचित्रा मट्टई (निर्माता) द्वारा निर्मित अनुजा, दो बहनों की एक प्रेरणादायक कहानी पेश करती है जो अपने शोषण और बहिष्कार के इरादे वाली दुनिया में खुशी और अवसर खोजने के लिए संघर्ष कर रही हैं। यह शक्तिशाली शॉर्ट फिल्म नौ साल की अनाथ अनुजा पर आधारित है, जो अपनी बड़ी बहन पलक के साथ गली के पीछे एक कपड़ा फैक्ट्री में काम करती है, जब उसे अचानक एक दुर्लभ अवसर का सामना करना पड़ता है जो उसके भविष्य और उसके परिवार के भाग्य का निर्धारित करेगा। अनुजा ने 2024 हॉलीशॉर्ट्स फिल्म फेस्टिवल में ऑस्कर–क्वालीफाइंग लाइव एक्शन शॉर्ट पुरस्कार जीता और इसे 2025 ऑस्करोंद के लिए नामांकित किया गया है। अनुजा जल्द ही नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध होगी। जब नौ साल की अनाथ अनुजा, एक स्थानीय कपड़ा फैक्ट्री में अपनी बहन के साथ काम करने के लिए स्कूल छोड़ देती है, तो वह खुद को एक ऐसे विकल्प का सामना करती है जो उसके भविष्य और उसके परिवार के भाग्य का निर्धारण करेगा। अनुजा का निर्माण सलाम बालक ट्रस्ट (एसबीटी) के साथ साझेदारी में किया गया था, जो एक गैर–लाभकारी संस्था है जो सड़क पर और कामकाजी बच्चों का समर्थन करती है, शाइन ग्लोबल जिसकी पिछली फिल्म एमी और अकादमी पुरस्कार विजेता फिल्मों जैसे वॉरध्डांस (2007) और इनोसेंट (2012) है और कृष्ण नाइक फिल्म्स के प्रोडक्शन कंपनी द्वारा निर्मित है। कथा में प्रामाणिकता जोड़ते हुए, मुख्य अभिनेत्री सजदा पठान हाल ही में सलाम बालक ट्रस्ट के साथ घर ढूंढने से पहले, अपनी बहन के साथ पुरानी दिल्ली की सड़कों पर जीवित रहने के अपने अनुभवों से सीख लेती हैं। एडम जे. ग्रेव्स (लेखक,निर्देशक) एक दार्शनिक से फिल्म निर्माता बने हैं, जिन्होंने पुरस्कार विजेता शॉर्ट फिल्म साइकल वेरीटे (2021) का लेखन, निर्देशन और निर्माण किया है। उन्होंने प्रशंसित दृश्य कलाकार सुचित्रा मट्टई (एएनयूजेए की निर्माता) से शादी की है। एडम ने साझा किया ष्यह एक असाधारण सम्मान है। अनुजा एक छोटा सा पैशन प्रोजेक्ट था, जिसे फिल्म निर्माताओं ने एक साथ मिलकर उन अद्वितीय बच्चों की दृढ़ता और शक्ति को दिखाने के लिए बनाया था, और मैं ऑस्कर का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने इस कहानी को एक वैश्विक मंच दिया। सजदा और अनन्या के साथ काम करना, जो इस फिल्म की आत्मा और दिल हैं, मेरे करियर का एक महत्वपूर्ण पल रहा है, और यह पहचान इस बात का शक्तिशाली प्रमाण है कि दया और साहस कैसे बदलाव को प्रेरित कर सकते हैं। सुचित्रा मट्टई (निर्माता) दक्षिण एशियाई मूल की एक बहु–प्रशासनिक कलाकार हैं, जिनका काम महिलाओं की शक्ति का जश्न मनाता है, ऐतिहासिक कथाओं को पुनर्कल्पना करता है, और उनके परिवार के गिरमिटिया श्रम के इतिहास की पड़ताल करता है। सुचित्रा ने कहा "अनुजा का हिस्सा बनना एक अविश्वसनीय यात्रा रही है, और मैं इस कहानी को दुनिया के साथ साझा करने के लिए सम्मानित महसूस कर रही हूं। सलाम बालक ट्रस्ट के साथ हमारी साझेदारी के माध्यम से, हम कामकाजी बच्चों की आवाज के लिए एक मंच प्रदान करने में सक्षम हैं और इन बच्चों के समर्थन और उत्थान के लिए इस संगठन द्वारा किए गए अविश्वसनीय काम को उजागर करते हैं। ऐसी प्रभावशाली कहानी बताना सौभाग्य की बात है, और मुझे आशा है कि यह इन उल्लेखनीय युवा जीवन को सशक्त बनाने के लिए अधिक जागरूकता और कार्रवाई को प्रेरित करेगी। टोनी पुरस्कार विजेता निर्माता और एम्मी नामांकित लेखिका मिंडी कालिंग सबसे अधिक अपनी भूमिका के लिए जानी जाती हैं, जो अमेरिकी संस्करण में द ऑफिस में थीं, और इसके अलावा उन्होंने द मिंडी प्रोजेक्ट, नेवर हैव आई एवर, द सेक्स लाइव्स ऑफ कॉलेज गर्ल्सष् और आगामी रनिंग प्वाइंट जैसी हिट शोज बनाई और प्रोड्यूस की। मिंडी ने साझा किया, ष्मैं लगभग बीस साल से निर्माता रही हूं, लेकिन श्अनुजाश का निर्माण करना मेरे करियर का एक प्रमुख पल रहा है। मुझे इतनी खुशी है कि मैं दो लड़कियों की इस खुशी भरी कहानी का हिस्सा बनी, जिनके पास बड़े सपने और महत्वाकांक्षाएं हैं, लेकिन जिन्हें अनदेखा किया जाता है – मेरी पसंदीदा प्रकार की नायिकाएं! इस यात्रा पर मुझे और कलिंग इंटरनेशनल को आमंत्रित करने के लिए मैं एडम ग्रेव्स और सुचित्रा मट्टई का बहुत आभारी हूं। मुझे सोने की आदत नहीं है, इसलिए यह अच्छा था कि सुबह 5.30 बजे कुछ मजेदार कर रही थी। गुनीत मोंगा कपूर एक भारतीय फिल्म निर्माता, अकादमी पुरस्कार विजेता और बाफ्टा नामांकित व्यक्ति हैं, और अकादमी ऑफ मोशन पिक्चर्स आर्ट्स एंड साइंसेज में आमंत्रित होने वाले भारत के पहले निर्माताओं में से हैं। हाल ही में, गुनीत द्वारा निर्मित भारतीय फिल्म श्द एलिफेंट व्हिस्पररर्स (2023) के लिए सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट के लिए अकादमी पुरस्कार जीतने वाले भारत के पहले निर्माता बने। गुनीत ने कहा "97वें ऑस्कर में इस नामांकन के लिए अविश्वसनीय रूप से सम्मानित महसूस कर रही हूँ। सलाम बालक ट्रस्ट इंडिया के काम का प्रतिनिधित्व करने वाली श्अनुजाश की कहानी साझा करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है – अनगिनत युवाओं की आवाज जो हर दिन कठिन परिस्थितियों का बहादुरी से सामना करते हैं। अकल्पनीय बाधाओं के बावजूद भी, वे हमें दिखाते हैं कि मुस्कुराने का कारण है। निर्देशक एडम जे. ग्रेव्स और निर्माता सुचित्रा मट्टई ने इसमें अपना पूरा दिल लगा दिया है। यह नामांकन इस बात का प्रमाण है कि मिंडी कलिंग और प्रियंका चोपड़ा जोनास जैसे कुछ सबसे शक्तिशाली ग्लोबल आइकन के समर्थन के साथ, हम कैसे सीमाओं को पार कर सकते हैं, सहयोग कर सकते हैं और ईमानदार कहानियों को जीवन में ला सकते हैं। अनुजा के संदेश को वैश्विक मंच पर लाने में मदद करने के लिए धन्यवाद। नेटफ्लिक्स पर अनुजा को देखने की खुशी का अनुभव करने के लिए दर्शकों का इंतजार नहीं कर सकती।" अनुजा की कार्यकारी निर्माता प्रियंका चोपड़ा जोनास ने कहा, अनुजा को सर्वश्रेष्ठ लाइव एक्शन शॉर्ट फिल्म श्रेणी में ऑस्कर के लिए नामांकित किया जाना एक अविश्वसनीय पल है। यह फिल्म कहानी कहने की शक्ति का एक सुंदर अनुस्मारक है – यह कैसे सबसे प्रामाणिक तरीके से प्यार, परिवार और गहनता पर प्रकाश डाल सकती है। मुझे एडम जे. ग्रेव्स पर उनकी दूरदर्शिता के लिए बहुत गर्व है और मैं सजदा पठान और अनन्या शानबाग के शानदार अभिनय से बहुत प्रभावित हूं, जिन्होंने इन किरदारों को जीवंत बनाने के लिए अथक परिश्रम किया है। हमारे अद्भुत साझेदारों–सुचित्रा मट्टई, मिंडी कलिंग, गुनीत मोंगा कपूर और शाइन ग्लोबल के साथ इस यात्रा का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। दर्शकों को पसंद आने वाली सार्थक कहानियाँ बताना ही हमारी प्रेरणा है, और मैं अत्यंत खुश हूं कि श्अनुजाश को यह सम्मानजनक पहचान मिली। अनुजा का वर्ल्ड प्रीमियर डेडसेंटर फिल्म फेस्टिवल में हुआ था और उसने कई पुरस्कार जीते हैं, जिसमें हॉलीशॉर्ट्स फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट लाइव एक्शन शॉर्ट भी शामिल है। फिल्म को 2025 ऑस्करो के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है।

रामायण द लेजेंड ऑफ प्रिंस रामा को 4के में देखकर उत्साहित हुए नेटिजन्स, दें रहे जबरदस्त रिस्पॉन्स

रामायणः द लेजेंड ऑफ प्रिंस रामा आज भारत भर में सिनेमाघरों में अपनी ग्रैंड रिलीज कर रही है और ये एक बड़ा माइलस्टोन बन गई है क्योंकि ये देश में किसी भी जापानी फिल्म की अब तक की सबसे बड़ी रिलीज है। 600 स्क्रीन पर इसकी रिलीज ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, और इसने भारतीय सिनेमा इतिहास में अपनी जगह पक्की कर ली है। भारत के सबसे प्रिय महाकाव्य का ये शानदार एनीमेशन वर्जन गीक पिक्चर्स इंडिया और गीक पिक्चर्स इंक ने दर्शकों तक पहुंचाया है। शुरुआती रिव्यूज में इसे एक बेहतरीन पारिवारिक फिल्म कहा जा रहा है जो अलग–अलग पीढ़ियों को खूबसूरती से जोड़ती है।बिलकुल, यह फिल्म एक बड़ा सिनेमाई अनुभव बन गई है और अब ये लोगों के दिलों पर छा गई है। नेटिजन्स अपनी खुशी को रोक नहीं पा रहे हैं और इस मास्टरपीस को बड़े पर्दे पर देखने का अनुभव शेयर कर रहे हैं। आइए जानते हैं कैसा उनका रिएक्शन एक नेटिजन ने लिखा है, तेलुगू में रामायण, जापानी एनीमे में। ये देखना तो बनता है। एक कर व्यूअर ने लिखा है, आखिरकार... बचपन के शानदार अनुभव को फिर से जीने के लिए बहुत एक्साइटेड हूं। मैंने अक्टूबर में रिलीज हुए पहले ट्रेलर को नए रिलीज डेट्स के लिए एडिट किया है। एक नेटिजन ने लिखा है, रामायण की कहानी का कोई मुकाबला नहीं। 4के में इसे देखना जैसे एक लेजेंड को जीवित होते हुए देखना है। एक नेटिजन ने लिखा है, यह सिर्फ एक फिल्म नहीं हैय यह एक एहसास, एक जुड़ाव और एक धरोहर है, जिसे शानदार तरीके से जीवन्त किया गया है। यह सबके लिए देखना जरूरी है। 'रामायण द लेजेंड ऑफ प्रिंस रामा' को भारत में गीक पिक्चर्स इंडिया, ।। फिल्म्स और एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा थिएट्रिकली डिस्ट्रीब्यूट किया जाएगा। फिल्म 24 जनवरी, 2025 को 4के में इंग्लिश, हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज की गई है।

अक्षय कुमार के मुंबई अपार्टमेंट की कीमत में 78% की हुई बढ़ोतरी, 4.25 करोड़ में किया सेल

> अक्षय कुमार और उनकी पत्नी ट्विंकल खन्ना का मुंबई में जो घर है, वह नैचुरल लवर के लिए एक सपना जैसा है। उनके घर में हरे-भरे बगीचे, इनडोर तालाब, केले के पत्ते और रंग-बिरंगी Bougainville हैं, जो उनके हरियाली के प्रति प्यार को दशति हैं।

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार अपनी हालिया फिल्म स्काई फोर्स के लिए सुर्खियों में हैं। वहीं, अब उनके द्वारा एक और बड़े कदम की खबर सामने आई है। उन्होंने मुंबई के बोरीवली ईस्ट में स्थित अपना अपार्टमेंट 4.25 करोड़ रुपये में बेच दिया है। यह अपार्टमेंट ओबेरॉय रियल्टी के द्वारा बनाए गए स्काई सिटी प्रोजेक्ट का हिस्सा है, जो 25 एकड़ में फैला हुआ है और यहां 3बीएचके, स्टूडियो और डुप्लेक्स अपार्टमेंट्स जैसे विकल्प दिए जाते हैं। यह बिक्री 21 जनवरी, 2025 को पंजीकृत हुई थी। प्रॉपर्टी रिकॉर्ड्स के अनुसार, अक्षय ने इस प्रॉपर्टी को नवंबर 2017 में केवल 2.38 करोड़ रुपये में खरीदा था। इस समय में अपार्टमेंट की कीमत में 78: का इजाफा हुआ है, जिससे अक्षय को शानदार मुनाफा हुआ है। अक्षय कुमार और उनकी पत्नी ट्विंकल खन्ना का मुंबई में जो घर है, वह नैचुरल लवर के लिए एक सपना जैसा है। उनके घर में हरे–भरे बगीचे, इनडोर तालाब, केले के पत्ते और रंग–बिरंगी Bougainvillea हैं, जो उनके हरियाली के प्रति प्यार को दर्शाते हैं। ट्विंकल खन्ना ने एक पुराने इंटरव्यू में बताया था कि उनके सी–फेसिंग जुहू घर की सबसे खास बात यह है कि वे हर रोज अरब सागर में सूर्यास्त का नजारा देखते हैं, जिसे वह एक Daily Blessing मानती हैं। इसके अलावा, उनके पास गोवा में एक खूबसूरत छुट्टियों का घर भी है, जो पुर्तगाली शैली में बना है और शांत सफेद रेतीले समुद्र तट पर स्थित है। अक्षय अपनी व्यस्त जिंदगी के बावजूद अक्सर अपनी पत्नी और बच्चों के साथ वहां क्वालिटी टाइम बिताने जाते हैं। अक्षय कुमार के पास कनाडा में भी कई महंगी संपत्तियां हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, उनके पास टोरंटो में एक पूरी पहाड़ी है, जो कनाडा के सबसे बड़े शहर में स्थित है। अक्षय कुमार की फिल्म स्काई फोर्स को समीक्षकों से अच्छे रिव्यू मिल रहे हैं। फिल्म को 4 स्टार दिए और लिखा, अक्षय कुमार ने फिल्म में ओके अहूजा का किरदार निभाया है, जो एक ग्रुप कैप्टन हैं। वे इस भूमिका के लिए बिल्कुल फिट हैं, क्योंकि वे दयालु और मजबूत दोनों हैं। हालांकि, उनका असली शानदार काम तब दिखता है जब वे ज्ंइइल को स्टेज पर आने का मौका देते हैं, जो एक सुपरस्टार का असली संकेत है।

शाहिद कपूर में फिल्म इंडस्ट्री के स्ट्रगल को लेकर कही बात– 'एक समय था जब लोखंडवाला से कपड़े खरीदने के पैस नहीं थे'

बिना गॉडफादर के बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाना काफी मुश्किल होता है। बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर ने अपने एक्टिंग के दम पर फिल्म इंडस्ट्री में नाम बनाया है। चॉकलेट बॉय से मशहूर शाहिद हर एक लड़की के दीवने हैं। गौरतलब है कि शाहिद कपूर बॉलीवुड इंडस्ट्री में आने के लिए काफी स्ट्रगल किया है। हाल ही मे अभिनेता ने अपने स्ट्रगल को लेकर बात की है। इस दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि कुछ लोग बीएमडब्ल्यू में स्ट्रगल करते हैं, वह देश के टॉप डायरेक्टर्स के साथ काम करके जर्नी की शुरुआत करते हैं। हालांकि, मुझे अपने फिल्म इंडस्ट्री में आने के लिए मुझे 250 ऑडिशन देने पड़े थे।

शाहिद ने फिल्म इंडस्ट्री के स्ट्रगल को लेकर बात की

शाहिद कपूर ने राज शमानी के साथ पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान कहा– श्मैं किराई के घरों में रहा हूं। फिल्म इंडस्ट्री में आने के लिए मैंने कई ऑडिशन दिए हैं। मुझे हमेशा ऐसा लगता था कि मेरी सिचुएशन कभी मेरा साथ नहीं देती हैं। मेरे पिता पंकज कपूर साल 1980 से फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। इसके बावजूद मेरी परवरिश किसी खास परिवार में नहीं हुई। मैं जब तीन साल का था तब मेरे पेरेंट्स का तलाक हो गया था। मैं बचपन से ही अपनी मां नीलिमा अजीम के साथ रहा हूं। मेरी मां 15 साल की उम्र में कथक करना शुरू किया था। वह एक कथक डांसर थी।'

फैशन को लेकर बोले शाहिद कपूर

शाहिद ने बताया कि एक समय ऐसा भी था जब उनके पास लोखंडवाला मार्केट से कपड़े खरीदने तक के भी पैसे नहीं होते थे। उन्होंने कहा– आज लोग कहते है कि शाहिद का फैशन सेंस काफी बढ़िया है और कभी–कभी मुझे इन बातों पर हंसी भी आती है, क्योंकि मुझे याद है कि एक समय था जब मेरे पास लोखंडवाला से कपड़े खरीदने के लिए भी पैसे नहीं होते थे।

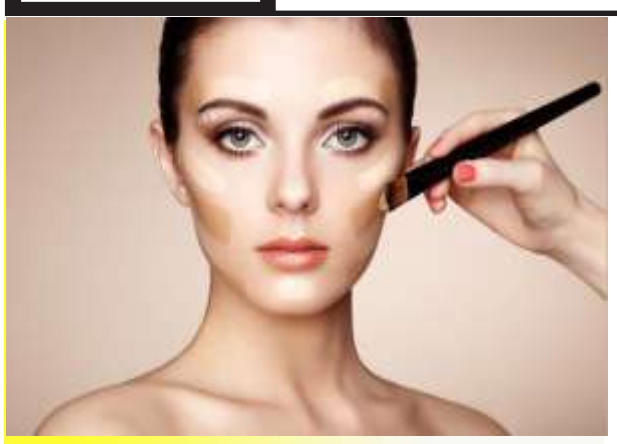

ऑनलाइन खरीदने जा रही हैं फाउंडेशन तो ऐसे चुनें अपनी सही शेड, इन बातों पर दें ध्यान

परफेक्ट मेकअप लुक पाने में फाउंडेशन का अहम रोल होता है। क्योंकि अगर आप थोड़ा सा भी गलत शेड का फाउंडेशन पिक करती हैं, तो इससे आपका सारा लुक बिगड़ जाएगा। ऐसे में सही शेड वाले फाउंडेशन का चुनाव करना बेहद जरूरी होता है। आमतौर पर मेकअप स्टोर में जाकर हम आसानी से फाउंडेशन शेड पिक कर सकते हैं। लेकिन अगर आप ऑनलाइन फाउंडेशन खरीदने जा रहे हैं, तो इसमें कई दिक्कतें आती हैं। बता दें कि कई बड़े मेकअप ब्रांड सिर्फ ऑनलाइन ही अवेलेबल होते हैं। ऐसे में अगर आप उन ब्रांड्स के प्रोडक्ट्स को खरीदते हैं, तो आपको ऑनलाइन शॉपिंग ही करनी पड़ेगी। ऐसे में आप फाउंडेशन की सही शेड कैसे पिक कर सकते हैं, यह आज हम इस आर्टिकल के जरिए बताने जा रहे हैं।

अपनी अंडर टोन पहचानें

सही फाउंडेशन सिलेक्ट करने के लिए सबसे पहले अपनी अंडर टोन को पहचानें। आमतौर पर तीन तरह की अंडर टोन होती है, वॉर्म, कूल और न्यूट्रल। अपनी अंडर टोन को पहचानने के लिए अपने हाथों की नसों का रंग देखें। अगर आपकी नसों का रंग हरा है, तो इसका मतलब आप वॉर्म अंडरटोन हैं। वहीं नसों का रंग नीला है, तो आप कूल अंडरटोन वाले हैं। वहीं अगर हाथ की नस का रंग हरा और नीला दोनों हैं, तो आप न्यूट्रल अंडरटोन वाली हैं। वहीं ऑनलाइन शॉपिंग करने के दौरान जो फाउंडेशन थोड़ा येलो कलर का दिख रहा है, वह वॉर्म अंडरटोन वालों के लिए हैं। वहीं थोड़े से पिंक शेड वाले फाउंडेशन कूल अंडरटोन वालों के लिए होता है।

ऐसे पहचानें स्किन टाइप

ऑनलाइन कई तरह के फिनिश वाले फाउंडेशन मिल जाते हैं। जैसे ड्यूई, सैटिन और मैट आदि मौजूद हैं। ऐसे में कौन सा फाउंडेशन आपके लिए बेस्ट है, यह देखने के लिए आपको अपनी सही स्किन टाइप के बारे में जानकारी होनी चाहिए। अगर आपकी स्किन ऑयली है, तो आपको मैट फिनिश वाला फाउंडेशन लेना चाहिए। वहीं अगर आपकी स्किन ड्राई है, तो आपको ड्यूई फिनिश लेना चाहिए। साथ ही अगर आपकी कॉम्बिनेशन स्किन है, तो यह महिलाएं त्वचा को प्राइम और प्रेप कर के इनमें से कोई भी फाउंडेशन का चुनाव कर सकती हैं।

फाउंडेशन की कवरेज

बता दें कि आमतौर पर तीन तरह की कवरेज वाले फाउंडेशन होते हैं। इनमें मीडियम कवरेज, शीयर और फुल कवरेज होता है। अगर आपको किसी पार्टी या फंक्शन के लिए हैवी मेकअप करना है, तो आपको हाई कवरेज वाले फाउंडेशन का इस्तेमाल करना चाहिए। वहीं बिगनर्स के लिए मीडियम कवरेज वाला फाउंडेशन बेस्ट है। अगर आप डेली मेकअप लुक के लिए लाइट फाउंडेशन की तलाश में हैं, तो आपको शीयर कवरेज वाले फाउंडेशन का इस्तेमाल करना चाहिए।

सही शेड पहचानें

इस सारी बातों को ध्यान में रखने के अलावा एक बात को और ध्यान में रखना चाहिए। यह है परफेक्ट शेड खरीदने की। ढेर सारी शेड्स में से सही शेड का चुनाव कैसे करें और इसे फिल्टर आउट करने के लिए अपनी स्किन टोन को सिलेक्ट करें। आमतौर पर स्किन भी तीन तरह की होती है– फेयर, मीडियम और डार्क शेड। लेकिन आप इन में से किस रेंज की हैं, इसकी पहचान आपको होना जरूरी है। जब आपको अपनी शेड पता होगी, तो आप उस शेड को ऑनलाइन सर्च करें। आपको यूट्यूब और गूगल आदि पर कई मॉडल्स दिख जाएंगी, जिससे उनकी स्किन टोन और स्वॉच देखकर अपने लिए सही शेड का चुनाव कर सकती हैं।

माइग्रेन के दर्द को नॉर्मल ना समझें! रामबाण इलाज से जड़ से खत्म करें समस्या

माइग्रेन एक तरह का सिरदर्द है नर्वस सिस्टम की समस्या से जुड़ा है। इस समस्या में सिर में बार–बार आधे हिस्से में ही दर्द होता है तो कभी–कभी पूरे सिर में भी होने लगता है। एक हिस्से में दर्द इतना तेज होता है कि ऐसा लगता है कि सिर में हथौड़ा मार रहा हो। इसमें सिरदर्द के समय सिर के नीचे की धमनियां बढ़ जाती हैं। दर्द वाले हिस्से में सूजन भी आ जाती है। माइग्रेन होने पर पीड़ित को उल्टी, जी घबराना जैसी दिक्कत होती और रोशनी व तेज आवाज के प्रति संवेदनशीलता बढ़ जाती है। यह समस्या कुछ घंटों से लेकर कुछ दिनों तक भी रह सकती है। हालांकि यह समस्या क्यों होती है इसके सही कारण के बारे में स्पष्ट रूप से जानकारी तो नहीं लेकिन इसे आनुवांशिक स्थिति माना जाता है।

माइग्रेन क्या होता है?

जैसे कि हमने बताया कि माइग्रेन में आधे सिर में तेज दर्द होता है और यह तंत्रिका तंत्र से जुड़ा विकार है। वहीं आयुर्वेद के मुताबिक, माइग्रेन दिमाग या चेहरे की रक्त वाहिनियों में हुई गड़बड़ी से होने वाला सिरदर्द है। इसके अलावा खान–पान, वातावरण में बदलाव, तनाव में बढ़ोतरी या ज्यादा सोने से भी हो सकता है। डाइट और लाइफस्टाइल की वजह से वात, पित्त और कफ दोषों में बदलाव आने पर अलग–अलग लक्षणों के साथ यह कई बीमारी का कारण बनते हैं।

वात के कारण सिरदर्द होने पर न्यूरोलॉजी से संबंधित समस्याएं बढ़ती है। तेज दर्द होने पर लंबे समय के बाद आराम मिलता है। न्यूरोलॉजिकल समस्याओं का सिर्फ दिमाग से ही सबंध नहीं होता बल्कि गर्दन और कान से भी होता है इसलिए ब्रेन की एमआरआई या सीटी स्कैन करवाने पर इसके असली कारण का पता चलता है।

दो तरह के होते हैं माइग्रेन दर्द

माइग्रेन मुख्य तौर पर दो तरह के होते हैं। क्लासिक और नॉन क्लासिक माइग्रेन। क्लासिक की स्थिति में बहुत सारे लक्षण ऐसे होते हैं जो संकेत देते हैं कि आपको माइग्रेन का दर्द शुरू होने वाला है, जैसे सिर दर्द की शुरुआत से पहले धुंधला दिखना, कुछ में कंधे में जकड़न व जलन आदि। क्लासिक माइग्रेन की अवस्था में रक्तवाहिनियां सिकुड़ने लगती है। ऐसे में डॉक्टर से तुरन्त सम्पर्क करना अच्छा होता है।

नॉन क्लासिक माइग्रेन में समय–समय पर सिर में तेज दर्द होता है लेकिन अन्य लक्षण नजर नहीं आते। ऐसे में सिर दर्द की शुरुआत के साथ ही दर्द की दवाई लेने से आराम पहुंचता है।

माइग्रेन का दर्द हो तो क्या करें?

माइग्रेन के लक्षण महसूस हो तो दर्द निवारक दवाई लें लेकिन दवाई डाक्टरी सलाह पर ही लें।

सबसे पहले खुद को शांत करें और अंधेरे कमरे में आराम करें या सोने की कोशिश करें।

माइग्रेन को ट्रिगर करने वाले कारकों से बचें। खुद को स्ट्रेस फ्री रखें।

विटामिन बी2, विटामिन डी और मैग्नीशियम भरपूर आहार लें।

अदरक, दालचीनी का पानी लें। इससे जी मिचलाने या उल्टी जैसे लक्षणों से राहत मिलेगी।

माइग्रेन का तुरंत इलाज कैसे करें?

माइग्रेन का तुरंत इलाज दालचीनी है। इसके लिए 1 से 2 छोटी चम्मच दालचीनी पाउडर में पानी मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को अपने माथे पर 20 से 25 मिनट तक लगाकर रखें। इस लेप को लगाने से आपको माइग्रेन के दर्द से तुरंत आराम मिलेगा।

गाय का शुद्ध देसी घी माइग्रेन का रामबाण इलाज

आयुर्वेद के मुताबिक, गाय का शुद्ध देसी घी मधुर व शीतल होता है। यह वात और पित्त की समस्या को ठीक करता है। गाय के देसी घी की कुछ बूंदे नाक में डालने से माइग्रेन से राहत मिलती हैं। गाय का शुद्ध घी सिर्फ आपके आधे सिरदर्द की समस्या से ही छुटकारा नहीं दिलाएगा बल्कि नींद की समस्या और भूलने जैसी परेशानियों से भी राहत मिलती है। इससे मस्तिष्क के कामकाज में सुधार होता और दिमाग स्वस्थ रहता है। इम्यूनिटी मजबूत होती है। अगर एलर्जी की समस्या है तो उससे भी राहत मिलेगी। इससे बाल झड़ने और सफेद होने बंद हो जाएंगे आप तनाव मुक्त रहते हैं।

माइग्रेन होने पर क्या करें, क्या ना करें?

माइग्रेन की समस्या बार बार हो रही हैं तो लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करके देखें।

तापमान में बदलाव से हमेशा बचे जैसे गर्मी में एयरकंडिशनर का इस्तेमाल करते हैं तो एक दम ठंडे से गर्म में न निकले और तेज गर्मी से आकर एकदम ठण्डा पानी न पीएं।

तेज धूप में बाहर निकल रहे हैं तो सूरज की सीधी रोशनी से बचें। छाता और सनग्लासेस इस्तेमाल करे। ट्रेवल करने से परहेज करें।

रोजाना 8 से 10 ग्लास पानी जरूर पीएं क्योंकि डिहाइड्रेशन, माइग्रेन की समस्या का सबसे बड़ा कारण होता है इसलिए अधिक से अधिक पानी पीएं। माइग्रेन के पेशेंट खूब सारा तरल पदार्थ यानी सूप, नींबू पानी, नारियल पानी, छाछ, लस्सी आदि पीना चाहिए। फल हरी सब्जियां खूब खाएं। नमक कम लें।

चाय कॉफी, ज्यादा मिर्ची मसालेदार भोजन न खाए, ब्लड प्रेशर मेंटेन रखे।

एल्कोहल और चॉकलेट के सेवन से भी बचें।

माइग्रेन से पीड़ित व्यक्ति को मक्खन की जगह पीनट बटर का इस्तेमाल करना चाहिए। एवोकाडो, केला और खट्टे फल आदि का इस्तेमाल करना भी लाभकारी होता है।

नंगे पांव घास पर सैर करें। स्ट्रेस लेने से बचें। रोजाना 30 मिनट तक योगासन, प्राणायाम या मेडिटेशन जरूर करें। योग में बालासन, उत्तानासन, सेतुबंध सर्वांगासन, हलासन करना फायदेमंद है।

अपनी पसंद का मधुर संगीत सुनें। साथ ही हर बार सांस निकलते समय स्वयं के शरीर को शांत करें।

माइग्रेन के लिए देसी उपाय

माइग्रेन के दर्द से राहत दिलाने में कुछ देसी नुस्खे भी बहुत फायदेमंद हैं। इससे भी आपको दर्द से राहत मिलेगी।

बर्फ की मसाज

माइग्रेन की वजह से सूजी मांसपेशियों को रिलैक्स करने के लिए आइस पैक काफी फायदेमंद होता है। एक साफ टॉवल में बर्फ के कुछ टुकड़े रखें और उससे सिर, माथे और गर्दन के पीछे 10–15 मिनट सिकाई करें। पिपरमिंट ऑयल की कुछ बूंदे आइस पर डालने से असर जल्दी होता है।

सेब का सिरका

एक गिलास पानी में एक छोटा चम्मच सेब का सिरका और एक चम्मच शहद डालकर पिएं। करीब 30 दिन लगातार पीने से राहत मिलेगी। जब माइग्रेन हो या महसूस हो कि होने वाला है तो 2–3 चम्मच लें।

तुलसी का तेल

कि तुलसी का तेल माइग्रेन के दर्द में भी काफी प्रभावशाली होता है और मांसपेशियों को आराम देता है जिससे तनाव कम होता है और दर्द से राहत मिलती है। इस तेल से सिर की मसाज करें। तुलसी की चाय भी पी सकते हैं।

सिर की मालिश

तनाव को दूर करने के लिए सिर की मालिश बहुत कारगर उपाय है। सिर के पीछे के हिस्से की मालिश करने से राहत मिलती है और शरीर में रक्त संचार बढ़ता है।

अदरक

अदरक माइग्रेन के दौरान जी मचलाने या उल्टी होने जैसे लक्षणों से राहत दिलाने में मदद करता है। अदरक का रस शहद के साथ लें या अदरक के छोटे टुकड़े को पानी में उबालकर ठण्डा कर लें और इस पानी में शहद और नींबू की कुछ बूंद डालकर पीएं।

डॉक्टर के पास कब जाना चाहिए ?

माइग्रेन कुछ घंटों या एक–दो दिन के बीच ठीक हो जाता है लेकिन आपको लगातार ये दर्द हो रहा है और इससे आराम नहीं मिल रहा तो डाक्टरी परामर्श जरूर लें। गंभीर सिरदर्द, मानसिक भ्रम या गर्दन में बहुत तेज दर्द है तो डाक्टर के पास जाने में देर ना लगाएं।

हड्डियां हो रही हैं कमजोर? इन आसान टिप्स से बनाएं उन्हें मजबूत

हमारी हड्डियां हमारे शरीर का जरूरी हिस्सा होती हैं। ये न केवल हमें चलने–फिरने में मदद करती हैं, बल्कि शरीर को एक मजबूत ढांचा भी देती हैं। लेकिन कभी–कभी, गलत खानपान, सही एक्सरसाइज की कमी या बाकी कारणों से हड्डियां कमजोर हो सकती हैं। कमजोर हड्डियों की वजह से चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि जिनकी हड्डियाँ कमजोर हो, उन्हें क्या करना चाहिए और किस तरह से हड्डियों को मजबूत रखा जा सकता है। कुछ आसान और असरदार उपायों को जानकर आप अपनी हड्डियों को सेहतमंद बना सकते हैं।

कैल्शियम का सेवन बढ़ाएं

कैल्शियम हड्डियों को मजबूत बनाने में सबसे जरूरी तत्व है। अगर शरीर में कैल्शियम की कमी हो, तो हड्डियां कमजोर हो सकती हैं।दूध, दही, पनीर, हरी पत्तेदार सब्जियाँ, और बादाम जैसे खाद्य पदार्थ कैल्शियम से भरपूर होते हैं। इनका सेवन रोजाना करें ताकि हड्डियां मजबूत बनें

विटामिन डी का सेवन करें

विटामिन डी हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। यह कैल्शियम को शरीर में अच्छे से सोकने में मदद करता है। अगर शरीर में विटामिन डी की कमी हो, तो कैल्शियम ठीक से काम नहीं करता और हड्डियां कमजोर हो सकती हैं। इसके अलावा, मछली, अंडे, और विटामिन डी से भरपूर खाद्य पदार्थ भी खा सकते हैं।

एक्सरसाइज करें

हड्डियों को मजबूत रखने के लिए हलका एक्सरसाइज बहुत फायदेमंद होता है। व्यायाम से न केवल हड्डियां मजबूत होती हैं, बल्कि मसल्स भी मजबूत होती हैं, जो हड्डियों का समर्थन करती हैं। खासकर वजन उठाने वाले व्यायाम जैसे चलना, दौड़ना, स्क्वाट्स और स्ट्रेचिंग से हड्डियां मजबूत होती हैं।

सही डाइट लें

हड्डियों के लिए कैल्शियम, विटामिन डी के अलावा अन्य मिनरल्स भी जरूरी होते हैं जैसे मैग्नीशियम, फास्फोरस और जिंक। इनका सही मात्रा में सेवन हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है।हरी सब्जियां, फल, नट्स, और दालें इन पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं। यह सभी पोषक तत्व हड्डियों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं और हड्डियों की घनता को बनाए रखते हैं।

धूम्रपान और शराब से बचें

धूम्रपान और शराब का सेवन हड्डियों को कमजोर करता है। ये पदार्थ कैल्शियम के अवशोषण में रुकावट डालते हैं और हड्डियों की बनावट को प्रभावित करते हैं। धूम्रपान और शराब से बचने की कोशिश करें। अगर आप पहले से इसका सेवन करते हैं, तो इसे कम करने के प्रयास करें। धूम्रपान और शराब हड्डियों के लिए बहुत हानिकारक होते हैं, क्योंकि ये शरीर से कैल्शियम को बाहर निकालने का काम करते हैं।

पानी का सेवन बढ़ाएं

पानी हमारे शरीर के सभी अंगों के लिए जरूरी है, और हड्डियों के लिए भी यह बहुत फायदेमंद है। पानी हड्डियों में लचीलापन बनाए रखने में मदद करता है और उनके टूटने के खतरे को कम करता है।रोजाना कम से कम 8–10 गिलास पानी पिएँ। इससे शरीर हाइड्रेटेड रहेगा और हड्डियां मजबूत बनी रहेंगी। पानी हड्डियों के लचीलेपन और सही कार्य को बनाए रखने में मदद करता है।

डॉक्टर से सलाह लें: अगर हड्डियां बहुत कमजोर हो गई हैं, तो आपको डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। डॉक्टर हड्डियों की जांच कर सकते हैं और जरूरत हो, तो दवाइयाँ या विटामिन सप्लीमेंट्स भी दे सकते हैं। अगर आपको हड्डियों में दर्द, टूट–फूट, या कमजोरी महसूस हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए सही डाइट, एक्सरसाइज, और एक स्वस्थ लाइफस्टाइल जरूरी है।

संक्षिप्त

अदाणी विल्मर ने सोनीपत में 1,300 करोड़ रुपये का खाद्य प्रसंस्करण संयंत्र शुरू किया

नयी दिल्ली । खाद्य तेल कंपनी अदाणी विल्मर लिमिटेड ने हरियाणा के सोनीपत में अपने खाद्य प्रसंस्करण संयंत्र का संचालन शुरू कर दिया है। कंपनी ने इसे लगभग 1,300 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित किया है। अदाणी विल्मर ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसने सोनीपत के गोहाना में अपने एकीकृत खाद्य प्रसंस्करण संयंत्र में परिचालन शुरू कर दिया है। कंपनी ने कहा, "यह खाद्य परिसर देश के सबसे बड़े परिसरों में से एक है, जिसे आईपीओ (आरंभिक सार्वजनिक निर्गम) से प्राप्त 1,298 करोड़ रुपये की पूंजी से बनाया गया है।" इस संयंत्र से हरियाणा में 2,000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित करने में मदद मिलेगी। यह सुविधा 85 एकड़ में फैली है और इसकी कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता 6.27 लाख टन है। इस संयंत्र में चावल, गेहूं का आटा, सूजी, रवा और मैदा सहित 4,50,000 टन खाद्य उत्पाद बनाए जाएंगे। साथ ही सरसों का तेल, चावल की भूसी का तेल और कपास के बीज का तेल जैसे दो लाख टन खाद्य तेल, इसके अलावा पशु आहार के लिए सरसों डीओसी और राइसब्रान डीओसी का उत्पादन किया जाएगा। पिछले महीने, व्यापारिक समूह अदाणी समूह ने अदाणी विल्मर से बाहर निकलने की घोषणा की थी। अदाणी विल्मर फॉर्च्यून ब्रांड के खाद्य तेल, गेहूं का आटा और अन्य खाद्य उत्पाद बनाती है।

रूस से सस्ता तेल मिलने पर भारत उसे खरीदना जारी रखेगा: हरदीप सिंह पुरी

मुंबई, एजेंसी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि रूस से सस्ती दरों पर कच्चा तेल मिलना जारी रहने की स्थिति में भारत उसकी खरीद जारी रखेगा। इसके साथ ही पुरी ने कहा कि सरकार सबसे किफायती कीमत वाला कच्चा तेल खरीदने के लिए 'प्रतिबद्ध' है। पुरी ने यहां मीडिया से बातचीत में कहा कि अगर रूस का तेल अच्छी छूट पर उपलब्ध रहता है तो भारत इसे खरीदना जारी रखेगा। उन्होंने कहा, हम फरवरी, 2022 में रूस से 0.2 प्रतिशत से भी कम तेल खरीदते थे। अब हम 30 प्रतिशत तेल रूस से खरीद रहे हैं। अगर यह कहीं और भी रियायती दर पर उपलब्ध है, तो हम वहां से खरीदेंगे। मंत्री ने कहा कि भारत किसी से कोई मात्रा खरीदने के लिए प्रतिबद्ध नहीं हैं और यह प्रतिबद्धता सिर्फ सबसे किफायती कीमत वाली ऊर्जा खरीदने के लिए है। उन्होंने कहा, ईंधन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। कुछ उत्पादकों की ओर से कटौती किए जाने के बावजूद बाजार में ज्यादा से ज्यादा कच्चा तेल आ रहा है। मंत्री ने कहा कि सरकार तेल उत्पादक देशों के साथ दीर्घकालिक और हाजिर दोनों तरह के सौदे करने के लिए तैयार है। पुरी ने कहा, हम आयात के समय निविदाएं जारी करते हैं। इसका मतलब यह है कि अगर हमें किसी खास मार्ग की जरूरत है तो हम निविदा जारी करेंगे और फिर जो भी इसकी आपूर्ति कर सकता है वह आपूर्ति करेगा। महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में रिफाइनरी परियोजना संबंधी सवाल पर पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि यह परियोजना अपने विशाल आकार (छह करोड़ टन प्रति वर्ष क्षमता) के कारण व्यवहारिक नहीं है। सरकार इसकी जगह दो–दो करोड़ टन प्रति वर्ष क्षमता वाली तीन रिफाइनरी की संभावनाओं पर गौर कर रही है। रत्नागिरी रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (आरआरपीसीएल) सार्वजनिक क्षेत्र की तीनों पेट्रोलियम कंपनियों की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है जिसकी स्थापना 2017 में की गई थी। इस अवसर पर पुरी ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में 11 फरवरी से शुरू होने वाले चार–दिवसीय भारत ऊर्जा सप्ताह का तीसरा संस्करण भागीदारी, प्रदर्शनी स्थल और चर्चा सत्रों के मामले में वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा ऊर्जा कार्यक्रम होगा। इस दौरान हरित पाक–कला मंत्रिस्तरीय बैठक भी आयोजित की जाएगी। यह बैठक खाना बनाने के हरित समाधानों को वैश्विक स्तर पर अपनाने में तेजी लाने के लिए प्रयास बढ़ाने पर जोर देगी। इसमें प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) पर विशेष चर्चा होगी। भारत ऊर्जा सप्ताह 2025 में मंत्रियों, कंपनी अधिकारियों और उद्योग जगत के नेताओं की वैश्विक भागीदारी देखने को मिलेगी।

लोकपाल ने वित्त वर्ष 24 में अपने पास आई 95 प्रतिशत शिकायतों का किया निपटारा, केंद्रीय बैंक ने दी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को बताया कि उनके लोकपाल ने एक वर्ष (एक अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2024) में मिली शिकायतों में से 95.1 प्रतिशत का निपटारा कर दिया। केंद्रीय बैंक के अनुसार, एकीकृत लोकपाल योजना (आरबी–आईओएस) के तहत, भारतीय रिजर्व बैंक के लोकपाल कार्यालय ओआरबीआईओ और केंद्रीकृत प्राप्ति व प्रसंस्करण केंद्र (सीआरपीसी) को कुल 9,34,355 शिकायतें मिलीं थीं। लोकपाल योजना की वार्षिक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। आरबीआई ने कहा है, ष्वर्ष के दौरान ओआरबीआईओ की ओर से कुल 2,84,355 शिकायतों का निपटारा किया गया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

दूसरे टी20 के लिए शमी को मिलेगी एकादश में जगह? जानें भारत की संभावित प्लेइंग–11

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज की शुरुआत कोलकाता में जीत के साथ की थी। अब दोनों टीमों के बीच दूसरा टी20 चेन्नई में शनिवार को खेला जाएगा। माना जा रहा था कि अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी आखिरकार 14 महीने बाद भारतीय जर्सी में लौटने में सफल होंगे, लेकिन उन्हें कोलकाता में प्लेइंग–11 में शामिल नहीं किया गया। शमी के नहीं खेलने से एक बार फिर उनके फिटनेस को लेकर अटकलें लगना शुरू हो गई थी।

अक्षर, बिश्नोई और वरुण को जगह मिलना तय

कोलकाता के ईडेन गार्डेंस पर स्पिन और तेज गेंदबाज दोनों को मदद मिली, लेकिन चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम पर स्पिनरों का दबदबा रहता है। ऐसे में भारतीय टीम उपकप्तान अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई और वरुण चक्रवर्ती जैसे तीन स्पिनर के साथ उतर सकती है। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने पिछले मैच में प्रभावित किया था और वह इस प्रारूप में भारत के सबसे सफल गेंदबाज बने थे। उनका भी प्लेइंग–11 में रहना तय है। हालांकि, नीतीश रेड्डी और वॉशिंगटन सुंदर में से किसी एक को ही टीम में जगह दी जा सकती है।

शमी का शामिल होना फिटनेस पर निर्भर

भारतीय टीम निश्चित तौर पर शमी को मैदान पर उतारना चाहेगी, लेकिन यह सब कुछ उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। भारत को हालांकि पहले मैच में इस 34 वर्षीय तेज गेंदबाज की कमी नहीं खली थी। इस मैच में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने शानदार प्रदर्शन करके भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। भारत की अंतिम एकादश में खास बदलाव करने की संभावना नहीं है। अगर शमी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए फिट हो जाते हैं तो उन्हें नीतीश कुमार रेड्डी की जगह टीम में लिया जाएगा।

अभिषेक–सैमसन पर रहेगी अच्छी शुरुआत की जिम्मेदारी

अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने पहले मैच में भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी, तथा यह दोनों एक बार फिर से उसे दोहराना चाहेंगे। पिछले छह मैच में तीन शतक बनाने वाले सैमसन लंबी पारी नहीं खेल पाए थे लेकिन अभिषेक ने 34 गेंद पर 79 रन की तूफानी पारी खेली थी। सैमसन चेन्नई में पहले मैच की भरपाई करना चाहेंगे। अभिषेक और सैमसन की सलामी जोड़ी को अगर अगले साल भारत में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपना दावा मजबूत रखना है तो उन्हें अपने प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। भारत को कप्तान सूर्यकुमार यादव से भी बड़ी पारी की उम्मीद होगी जो पिछले मैच में जल्दी आउट हो गए थे। असल में सूर्यकुमार पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद 11 पारियों में केवल दो अर्धशतक लगा पाए हैं।

इंग्लैंड ने किया एक बदलाव

जहां तक इंग्लैंड की बात है, उसकी टीम पहले मैच में हार के बाद वापसी के लिए बेताब होगी। इंग्लैंड ने इस मुकाबले के लिए अपनी प्लेइंग–11 घोषित कर दी है। उसने गस एटकिंसन की जगह ब्राइडन कार्से को एकादश में शामिल किया है। चेन्नई की परिस्थितियों को देखकर लग रहा था कि इंग्लैंड युवा स्पिनर रेहान अहमद को अंतिम एकादश में शामिल कर सकता है, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। इंग्लैंड की तरफ से अनुभवी स्पिनर आदिल रशीद और लियाम लिविंगस्टोन भारतीय बल्लेबाजों के सामने चुनौती पेश करेंगे। जहां तक उसके तेज गेंदबाजों का सवाल है तो पहले मैच में अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन के सामने जोफ्रा आर्चर को छोड़कर उसका कोई भी गेंदबाज नहीं चल पाया था।

भारत और इंग्लैंड की टीमें:

भारत की संभावित प्लेइंग–11: संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती।

इंग्लैंड की घोषित प्लेइंग–11: बेन बकेत, फिल सॉल्ट (विकेटकीपर), जोस बटलर (कप्तान), हैरी ब्रूक, लियाम लिविंगस्टोन, जैकब बेथेल, जैमी ओवरटन, ब्राइडन कार्से, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, मार्क वुड।

स्मृति मंधाना, ऋचा, दीप्ति शर्मा को आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में मिली जगह

दिग्गज सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना, विकेटकीपर ऋचा घोष और हरफनमौला दीप्ति शर्मा को शनिवार को भारतीय खिलाड़ियों की दबदबे वाली आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय साल 2024 की सर्वश्रेष्ठ टीम में शामिल किया गया। इस टीम में तीन भारतीयों के अलावा दक्षिण अफ्रीकी और श्रीलंका के दो–दो जबकि इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड और पाकिस्तान से एक–एक खिलाड़ी हैं। मंधाना और दीप्ति को शुक्रवार को आईसीसी महिला वनडे साल की सर्वश्रेष्ठ टीम 2024 में भी शामिल किया गया था। मंधाना के लिए साल 2024 शानदार रहा। उन्होंने साल की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 54 रनों की शानदार पारी के साथ और इसका अंत घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार तीन अर्धशतकों के साथ किया। इस सलामी बल्लेबाज ने इस दौरान 23 मैचों में 763 रन बनाये और महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी। मंधाना ने इस दौरान आठ अर्धशतक, 42.38 के प्रभावशाली औसत और 126.53 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये। इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर 77 रन था। ऋचा की विस्फोटक बल्लेबाजी ने उन्हें पिछले साल भारत के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों में से एक बनाया। उन्होंने पिछले साल की शुरुआत में यूएई के खिलाफ 29 गेंदों में नाबाद 64 रनों की तूफानी पारी खेली थी। उन्होंने 21 मैचों में दो अर्धशतक के साथ 33.18 के औसत और 156.65 के स्ट्राइक रेट से 365 रन बनाए। भारतीय टीम को 2024 में मिली सफलता में दीप्ति का योगदान काफी अहम रहा। उन्होंने अपनी ऑफ स्पिन गेंदबाजी से 17.80 की औसत से 30 विकेट लेकर प्रभावित किया। उन्होंने इस दौरान महज 6.01 की इकॉनमी रेट से रन दिये। दीप्ति ने एशिया कप में नेपाल और पाकिस्तान के खिलाफ तीन–तीन विकेट भी झटके थे। आईसीसी ऑल–स्टार टीम की कप्तानी दक्षिण अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ड्ट कर रही हैं, जिन्होंने पिछले साल अपनी टीम को कई महत्वपूर्ण जीत दिलाई। इसमें कैनबरा में ऑस्ट्रेलिया पर असाधारण जीत भी शामिल है,

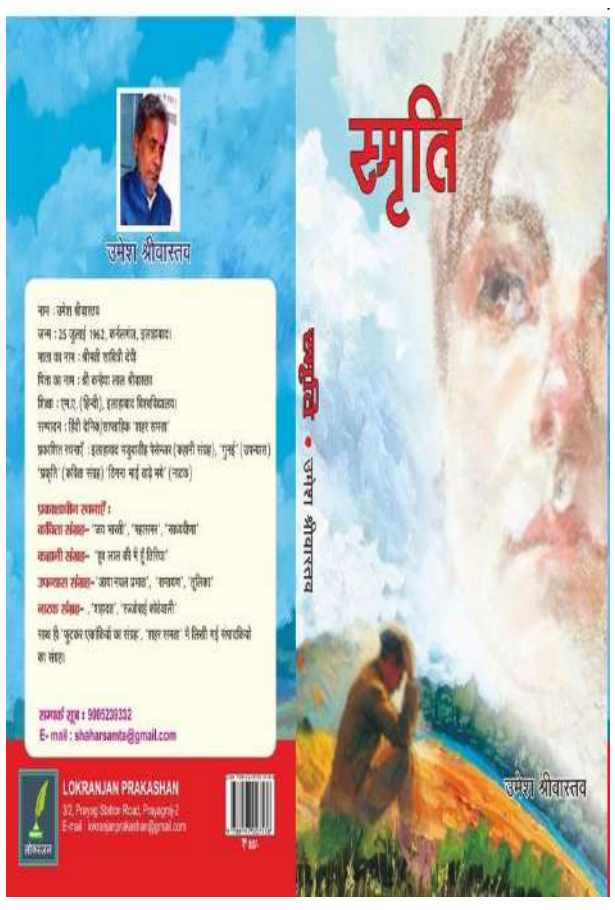

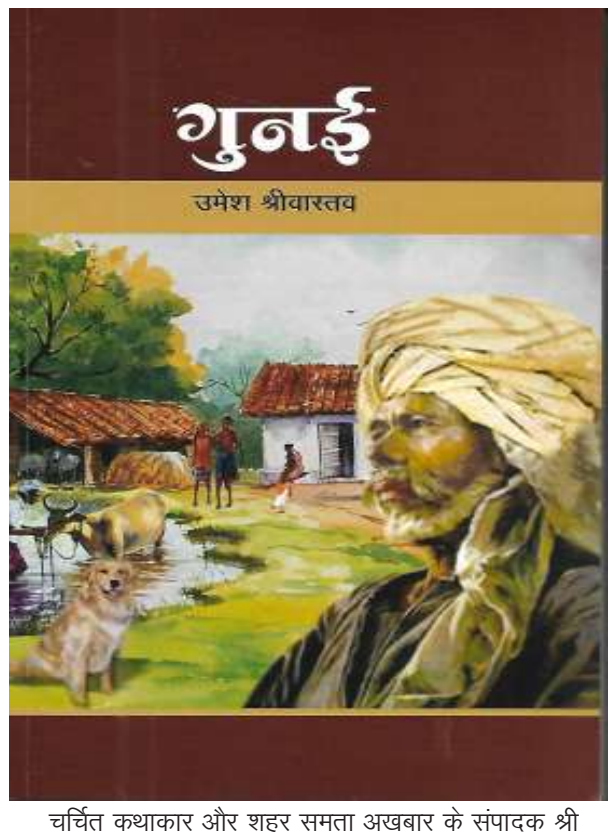

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

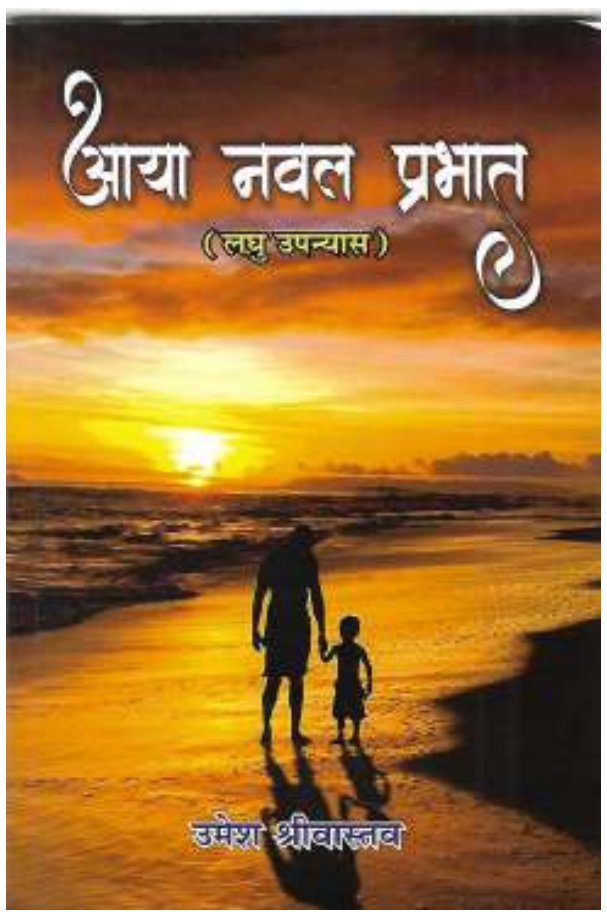

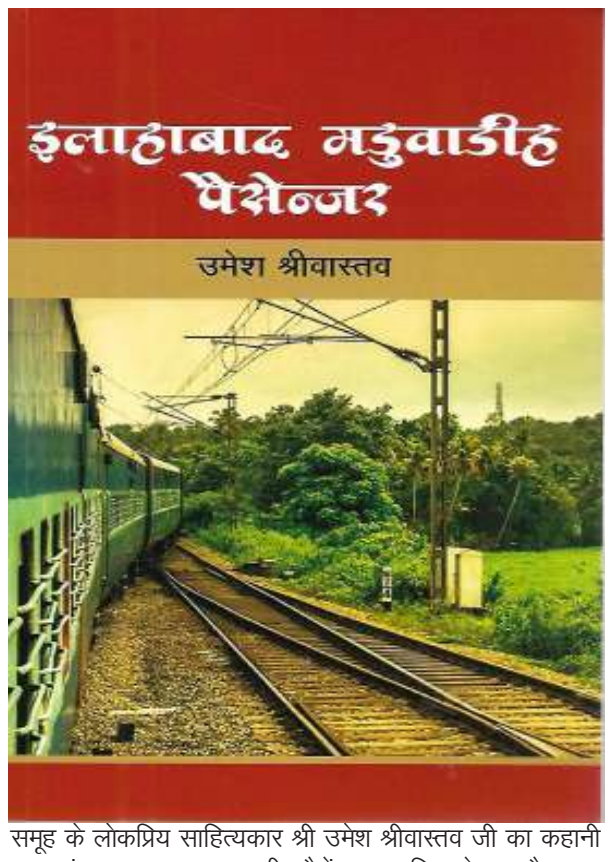

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

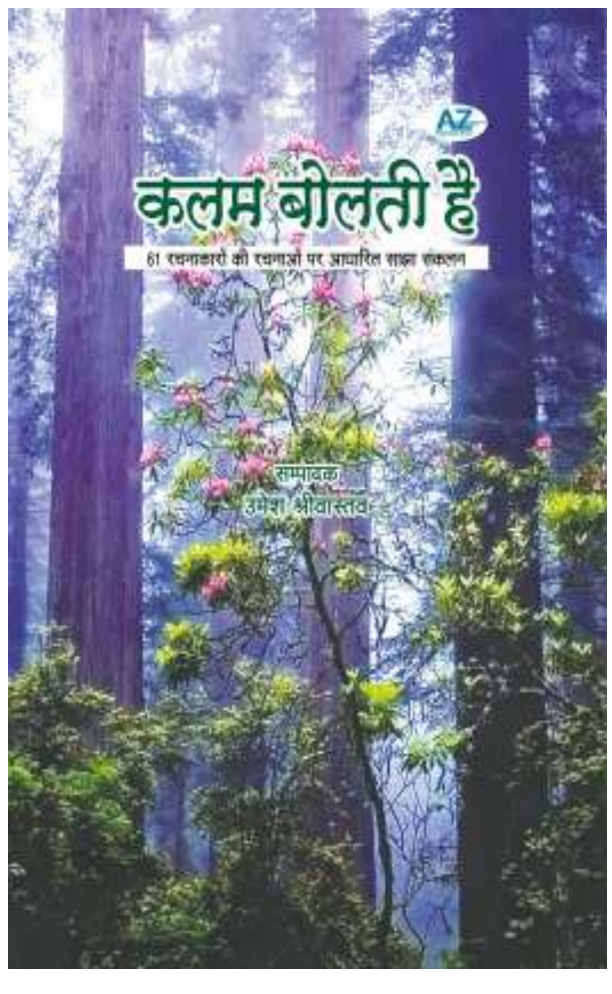

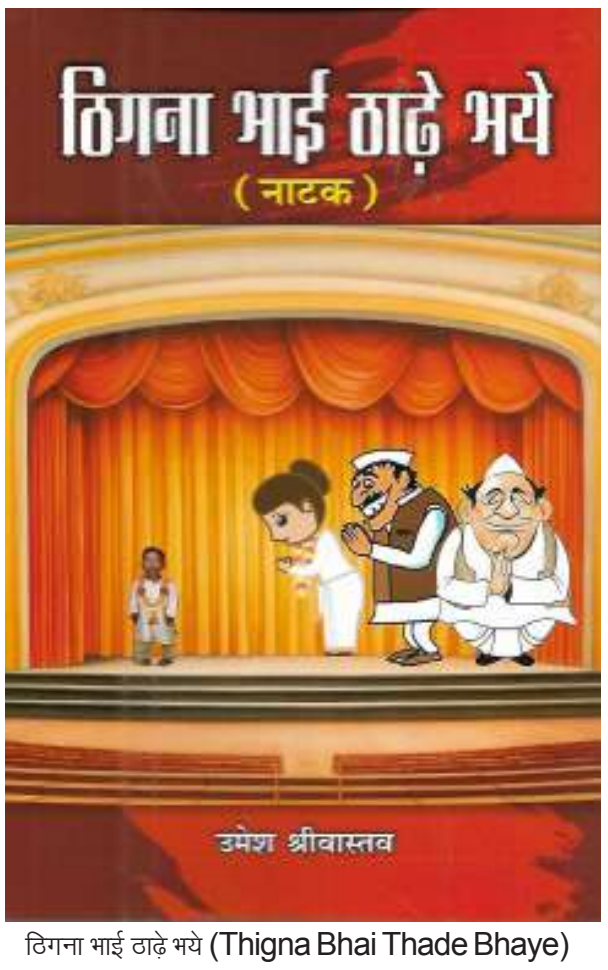

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ट्रंप ने भारतीय-अमेरिकी पूर्व पत्रकार को 'व्हाइट हाउस' का उप प्रेस सचिव नियुक्त किया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय–अमेरिकी पूर्व पत्रकार कुश देसाई को अपना उप प्रेस सचिव नियुक्त किया है। 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक कार्यालय एवं आवास) ने यह घोषणा की। देसाई इससे पहले 'रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन–2024' के लिए उप संचार निदेशक और आयोवा की रिपब्लिकन पार्टी के संचार निदेशक

के रूप में काम कर चुके हैं। वह 'रिपब्लिकन नेशनल कमेटी' में उप संचार निदेशक (पेंसिल्वेनिया) भी रह चुके हैं। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को देसाई को नामित करने की सूचना दी। 'व्हाइट हाउस ऑफिस ऑफ कम्युनिकेशंस' की देखरेख 'डिप्टी व्हाइट हाउस चीफ ऑफ स्टाफ' और 'कैबिनेट सचिव' टेलर बुडोविच करेंगे। ट्रंप ने इससे पहले राष्ट्रपति के सहायक और व्हाइट हाउस संचार निदेशक पद पर स्टीवन चेउंग और राष्ट्रपति की सहायक और प्रेस सचिव पद पर कैरोलिन लेविट को नियुक्त करने की घोषणा की थी।

पीट हेगसेथ बने अमेरिका के रक्षा मंत्री, वेंस के टाइब्रेकर वोट के बाद सीनेट से मिली मंजूरी

अमेरिका की सेनेट ने ट्रंप के रक्षा मंत्री के रूप में पीट हेगसेथ का नाम को आगे बढ़ाया है। हालांकि, डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने हेगसेथ पर लगे आरोपों और अमेरिकी सेना का नेतृत्व करने में अनुभव की कमी को लेकर उनके नाम पर कड़ी आपत्ति जताई। पीट पर ज्यादा शराब पीने और महिलाओं से आक्रामक व्यवहार करने के आरोप रहे हैं। उनके नाम पर पुष्टि के लिए 49 के मुकाबले 51 वोट पड़े। वेंस ने 'टाइब्रेकर' वोट देकर हेगसेथ की नियुक्ति पर मुहर लगवा दी। सौ सदस्यीय सीनेट में सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी के 53 सदस्य हैं। वेंस अमेरिका के दूसरे उपराष्ट्रपति बन गए हैं, जिन्होंने किसी कैबिनेट उम्मीदवार की नियुक्ति की पुष्टि के लिए "टाइब्रेकर" वोट का इस्तेमाल किया। इससे पहले ट्रंप के पिछले कार्यकाल में माइक पेंस ऐसा करने वाले पहले उपराष्ट्रपति थे, जिन्होंने 2017 में शिक्षा मंत्री बेस्टी डेवोस की नियुक्ति की पुष्टि के लिए निर्णायक मतदान किया था। हेगसेथ अफगानिस्तान और इराक युद्ध में सेवाएं दे चुके हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी के सभी 47 सदस्यों ने फॉक्स न्यूज के पूर्व प्रस्तोता हेगसेथ की नियुक्ति के खिलाफ वोट दिया।

भारत में हुआ रूस-यूक्रेन का संगम, देखते रह गए पुतिन-जेलेंस्की

रूस और यूक्रेन एक साथ नजर आए, वह भी भारत की जमीन पर। सुनने में थोड़ा अटपटा लग सकता है लेकिन के आध्यात्मिक की ताकत कुछ और ही है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ में भारत के अलावा दुनियाभर से लोग पहुंच रहे हैं और संगम किनारे अदभुत नजारा देखने को मिल रहा है। प्रयागराज की धरती ही है जो दुश्मन देशों को जोड़ने का काम कर रही है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा क्योंकि प्रयागराज में रूस और यूक्रेन के लोग सारे बैर भुला आस्था की डुबकी लगाते नजर आ रहे हैं। एक तरफ रूस और यूक्रेन के बीच जंग है। वहीं दूसरी तरफ भारत के संगम तट पर दोनों देशों से आए लोग एक साथ भक्ति में लीन नजर आ रहे हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि कुंभ ने सभी को एक कर दिया है। एएनआई से बात करते हुए रूस के एक भक्त ने एकता और शांति का संदेश साझा किया और कहा कि सभा में विभिन्न राष्ट्रीयताओं के भिक्षु मौजूद हैं। भक्त ने कहा मैं यहां रूस से आई हूं और मेरी गुरु मां यूक्रेन से आई हैं। मेरी कई गुरु बहनें और भाई रूस, यूक्रेन, कजाकिस्तान, यूरोप और अमेरिका जैसे देशों से आए हैं। हम सभी इस शुभ दिन पर महाकुंभ में गंगा स्नान करने के लिए यहां आए थे। जैसा कि हम जानते हैं, सभी देवता और दिव्य शक्तियां गंगा जल में स्नान करने आती हैं, इसलिए हम उनके उदाहरण का अनुसरण करते हैं। यह दुनिया में लोगों का एक बड़ा जमावड़ा है। यह अब तक का सबसे बड़ा त्योहार है और हम सभी यहां साधु के रूप में आते हैं। चाहे वह महिला हो या पुरुष रूसी–यूक्रेनी या भारतीय हम सभी यहां हैं... हम सभी सनातन धर्म का पालन करते हैं। मतलब रूस यूक्रेन के नेता भले ही एक दूसरे को फूटी आंख न सुहाते हो। लेकिन महाकुंभ में दोनों देशों के लोग एक साथ भक्ति के रस में डूबे हुए नजर आ रहे हैं। रूस, यूक्रेन, फ्रांस सहित कई अन्य देशों से लोग भारत के इस महाकुंभ में आए हैं और हर कोई शांति, मोक्ष और आध्यात्म की तलाश में हैं। विदेशों से आए लोग भारतीय परिधान में नजर आ रहे हैं। यहां पहुंच कर सभी लोग भक्ति भावना में लीन हैं।

477 दिन बाद मिली आजादी, हमास ने रिहा कीं 4 इजरायली महिला सैनिक

फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास ने शनिवार को गाजा में 15 महीने पुराने युद्ध को समाप्त करने के उद्देश्य से संघर्ष विराम समझौते के तहत लगभग 200 कैदियों वाले फिलिस्तीनी कैदियों के एक समूह के बदले में चार महिला इजरायली सैनिकों को रिहा कर दिया। चार सैनिकों – करीना एरिएव, डेनिएला गिल्बोआ, नामा लेवी और लिरी अल्बाग को गाजा में रेड क्रॉस को सौंप दिया गया। बाद में उन्हें इजरायली सैन्य बलों को सौंप दिया गया। चारों सैनिक गाजा के किनारे एक निगरानी चौकी पर तैनात थे और 7 अक्टूबर, 2023 को इज़राइल पर हमले के दौरान उनके अड्डे पर कब्ज़ा करने वाले हमास लड़ाकों ने उनका अपहरण कर लिया था।

रॉयटर्स ने फिलिस्तीनी स्रोत का हवाला देते हुए बताया कि सैनिकों में से एक को इस्लामिक जिहाद ने पकड़ रखा था। नवीनतम आदान–प्रदान 19 जनवरी को इज़राइल और हमास के बीच युद्धविराम शुरू होने के बाद से ये दूसरा एक्सचेंज है। हमास ने पहले आदान–प्रदान में 90 फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में तीन इजरायली नागरिकों को सौंप दिया था। कतर और मिस्र की मध्यस्थता और संयुक्त राज्य अमेरिका के समर्थन से महीनों तक चली बातचीत के बाद तैयार किए गए युद्धविराम समझौते ने नवंबर 2023 में सिर्फ एक सप्ताह तक चले संघर्ष विराम के बाद पहली बार लड़ाई रोक दी है। समझौते के पहले छह सप्ताह के चरण में, हमास ने इजरायली जेलों में बंद सैकड़ों फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में बच्चों, महिलाओं, वृद्ध पुरुषों और बीमारों और घायलों सहित 33 बंधकों को रिहा करने पर सहमति व्यक्त की है, जबकि इजरायली सैनिकों ने कुछ कैदियों को वापस बुला लिया है। दोनों पक्ष सैन्य उम्र के पुरुषों सहित शेष बंधकों की अदला–बदली और गाजा से इजरायली सेना की वापसी पर बातचीत करेंगे।

प्रधानमंत्री नेतन्याहू का एलान- इस्राइल संघर्ष विराम की समय सीमा तक लेबनान से वापस नहीं बुलाएगा सेना

यरूशलेम, एजेंसी। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को कहा कि इस्राइल हिजबुल्ला के साथ हुए युद्ध विराम की निर्धारित समय सीमा तक लेबनान से अपनी सभी सेनाओं को वापस नहीं बुलाएगा। नवंबर में हुए समझौते के अनुसार इस्राइल को रविवार तक लेबनान से अपनी सेना वापस बुला लेनी चाहिए थी। हिजबुल्ला के आतंकवादियों को लिटानी नदी के उत्तर में वापस जाना होगा, और लेबनानी सशस्त्र बल संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के साथ दक्षिणी लेबनान में बफर ज़ोन में गश्त करेंगे। नेतन्याहू ने कहा कि युद्धविराम समझौते के अनुसार सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया 60 दिनों के बाद भी जारी रह सकती है। उन्होंने कहा कि लेबनान की सरकार ने भी अभी तक पूरी तरह से सैनिकों को वापस नहीं बुलाया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।